सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 338, नई दिल्ली । शुक्रवार, 16 फरवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

खुद को इतना परफेक्ट बनाओ कि आपकी एक झलक देखने के लिए लोग अपनी पलके बिछा दे।

03 दिल्ली लिंक रोड पर 8 घंटे तक रहा किसानों का कब्जा....
06 जीवन की दौड़
08 बिजेड़ी-बीजेपी केलिये गठबंधन पूल अश्विनी वैष्णव

विशेष परिवहन आयुक्त शहजाद आलम ने किया आटो शाखा का दौरा

आटो शाखा में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों से भी बात की और उन्हें दिशा निर्देश भी जारी किए।

संजय बाटला

नई दिल्ली। विशेष परिवहन आयुक्त शहजाद आलम पहुंचे बुराड़ी क्षेत्र में चल रही आटो टेक्सी शाखा में और वहा उपस्थित आटो टेक्सी चालकों और मालिको से बात कर वहा हो रही कार्यशैली की जानकारी प्राप्त की।

आटो शाखा में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों से भी बात की और उन्हें दिशा निर्देश भी जारी किए।

आपकी जानकारी हेतु बता दें ऑटो के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली में 1 लाख पर रोक लगा रखी है इसलिए इस से ज्यादा आटो दिल्ली में पंजीकृत नही किए जा सकते जिस कारण इस शाखा की कार्यशैली पर सवाल उठते रहते हैं पर सच यह है कि सवाल आटो शाखा में कार्यरत कर्मचारियों/अधिकारियों की जगह परिवहन विभाग के आला अधिकारी पर उठना चाहिए क्योंकि शाखा में कार्य परिवहन विभाग के आला अधिकारी के द्वारा जारी दिशा निर्देशों और आदेशों पर ही किया जाता हैं।

आटो शाखा में चल रही कार्यशैली पर टोलवा द्वारा कई मुद्दे उठाए गए थे जिसमे स्पष्ट सबूतों के साथ बताया गया था की उन्ही के आदेश और दिशा निर्देश जिनके अंतर्गत कार्य हो रहा है वह एमवी एक्ट और धाराओं से अलग है पर फिर भी उन सभी कार्यशैलियो पर आला अधिकारी द्वारा कोई रोक नही लगाई गई।

आज का विशेष परिवहन आयुक्त शहजाद आलम का आटो शाखा का दौरा क्या सच में ऐसी चल रही पालिसी में बदलाव लाता है या सिर्फ कुछ अधिकारी/ कर्मचारी के बदलाव के आदेश तक सीमित हो कर रह जाएगा

यह तो आने वाले दो चार दिनों में देखने और सुनने को मिलेगा।

पेटीएम फास्ट टैग को कैसे करें डिएक्टिवेट या कराएं पोर्ट, जानें स्टेप बाय स्टेप प्रोसेस

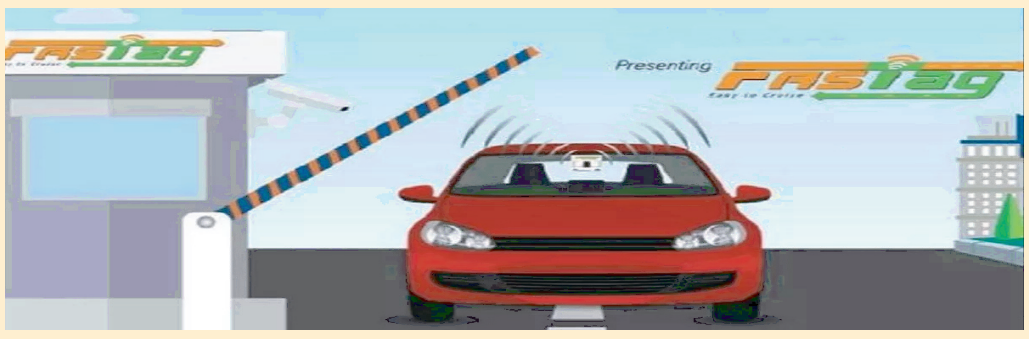

परिवहन विशेष न्यूज

Paytm FASTag 31 जनवरी 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बैन करने का फैसला लिया है। इस फैसले के बाद कई लोगों के मन में सवाल है कि अब पेटीएम फास्टैग का क्या होगा? दरअसल देश में कई गाड़ियों में पेटीएम फास्टैग का लगा हुआ है। चलिए जानते हैं कि पेटीएम फास्टैग को डिएक्टिवेट या पोर्ट करने का प्रोसेस क्या है?

नई दिल्ली। वर्ष 2016 में हुई नोटबंदी के बाद डिजिटल पेमेंट ने एक अहम भूमिका निभाई है। ऐसे में अगर हम बात करें तो पेटीएम ने ऑनलाइन पेमेंट के लिए काफी अहम भूमिका निभाई है। देश में ज्यादातर गाड़ियों में पेटीएम फास्टैग (Paytm Fastag) लगे हुए हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक (PPBL) को बैन करने का फैसला लिया है। ऐसे में अब गाड़ीचालकों के मन में सवाल है कि वह पेटीएम फास्टैग को कैसे डिएक्टिवेट या फिर पोर्ट करें। चलिए, जानते हैं कि आप पेटीएम फास्टैग को कैसे पोर्ट या डिएक्टिवेट करने का प्रोसेस क्या है?

कैसे डिएक्टिवेट करें फास्टैग

आपको फास्टैग पेटीएम पोर्टल पर लॉग इन करना है। लॉग-इन करने के लिए आपको यूजर आईडी, वॉलेट आईडी और पासवर्ड दर्ज करना होगा।

अब आप फास्टैग नंबर, मोबाइल नंबर दर्ज करके वेरिफिकेशन का प्रोसेस पूरा करें। इसके अलावा आपको अन्य जानकारियां भी दर्ज करनी होगी।

अब पोर्टल के पेज को स्क्रॉल करके नीचे की तरफ जाएं और Help & Support के ऑप्शन को सेलेक्ट करें।

इसके बाद Need Help With Non-Order Related Queries? पर क्लिक करें।

अब फास्टैग प्रोफाइन अपडेट करने के लिए Queries को सेलेक्ट करें।

यहां आपको Want to Close My Fastag के ऑप्शन को सेलेक्ट करें और आगे के स्टेप्स को फॉलो करें।

बता दें कि अगर एक बार आपका फास्टैग डिएक्टिवेट हो जाता है तो आप इसे दोबारा एक्टिवेट नहीं कर सकते हैं।

फास्टैग को पोर्ट कैसे करें

पेटीएम से फास्टैग को पोर्ट करने के लिए आपको अपने बैंक के कस्टमर केयर को कॉल करें।

इसमें आपको फास्टैग को ट्रांसफर के लिए रिक्वेस्ट देना है।

अब आप कस्टमर केयर अधिकारी को बताएं कि आप फास्टैग को स्विच करना चाहते हैं।

इसके बाद अधिकारी द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दें।

आखिर में अधिकारी आपके फास्टैग को पोर्ट कर देंगे।

आरबीआई के नोटिस के अनुसार पेटीएम यूजर्स के सेविंग अकाउंट, वॉलेट, फास्टैग और एनसीएमसी अकाउंट पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

दिल्ली ट्रैफिक जाम: 16 फरवरी की तैयारी में जुटी दिल्ली पुलिस, सुरक्षा के कड़े इंतजाम; सड़कों पर लगा लंबा जाम

किसान आंदोलन को लेकर दिल्ली के सभी बॉर्डरों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। साथ ही सिंघु और टिकरी बॉर्डर बंद होने की वजह से लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। वहीं गाजीपुर-नोएडा के रास्तों पर राहत है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। न्यूनतम समर्थन मूल्य के मुद्दे पर सरकार से वार्ता असफल होने के बाद किसानों ने दिल्ली की ओर आगे बढ़ना शुरू कर दिया है। लेकिन किसानों को रोकने के लिए दिल्ली में प्रवेश करने वाले रास्तों पर जगह-जगह पर बैरिकेडिंग लगा दी गई है।

दिल्ली के बॉर्डरों पर ट्रैफिक अपडेट

दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर जाम लग गया है। ऑफिस टाइमिंग के दौरान दिल्ली से गाजियाबाद जाने वाली सड़क पर जाम लग गया है। जिसकी वजह से ट्रैफिक की रफ्तार थम गई है। गाजीपुर बॉर्डर पर 16 फरवरी को किसान आंदोलन को लेकर सड़क पर बैरिकेडिंग की वजह से जाम लग गया है। वहीं दूसरी तरफ पंजाब में किसान रेलवे ट्रैक पर बैठ गए हैं। किसान आंदोलन ने ट्रेन के यात्रियों को फिर परेशान कर दिया है। पंजाब में रेलवे ट्रैक पर किसानों के धरने से दिल्ली आने वाली ट्रेनें प्रभावित हो रही है।

किसानों को दिल्ली पहुंचने में एक से दो दिन का समय लग सकता है, लेकिन किसानों के पहले मुसीबत दिल्ली पहुंच चुकी है। यूपी गेट पर बैरिकेडिंग के कारण ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि एनएच-44 पर सिंघू बॉर्डर यातायात के लिए यात्रियों को परेशानी होगी। इसलिए मार्ग परिवर्तन और वैकल्पिक मार्गों को चुनें।

सिंघु व टिकरी बॉर्डर ने बढ़ाई परेशानी

किसान बुधवार शाम तक राष्ट्रीय राजधानी से करीब 200 किलोमीटर दूर हैं, लेकिन दिल्लीवासी तीन दिन से जाम से जूझ रहे हैं। आए दिन प्रमुख मार्गों पर 4 से 6 किलोमीटर लंबा जाम लग रहा है। इससे लोग घंटों जाम में फंस रहे हैं। बुधवार को भी टिकरी व सिंघु बॉर्डर का हाल बुरा था। इनसे सटे इलाकों व सड़कों पर दिनभर जाम लगा रहा। हालांकि, गाजीपुर व नोएडा के चिल्ला बॉर्डर पर कुछ बैरिकेड हटाकर करीब दो-दो लेन खोल दी गईं जिससे दिल्ली-यूपी आवागमन करने वालों को कुछ राहत मिली। इधर, बदरपुर व घिटोरनी बॉर्डर पर भी हालात सामान्य थे।

दिल्ली के ये बॉर्डर पूरी तरह सील

1. सिंघु बॉर्डर : किसानों के दिल्ली कूच के एलान के बाद राष्ट्रीय राजधानी की सभी सीमाओं पर पुलिस का कड़ा पहरा कर दिया गया है। किसानों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए बॉर्डर पर कई लेयर की बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस की ओर से रास्ते पर बड़े-बड़े सीमेंट के ब्लॉक खड़े कर दिए गए हैं। इसके अलावा बैरिकेडिंग के ऊपर कटीले तार लगाएं गए हैं।

जीटी करनाल रोड पर सिंघु बॉर्डर व भलस्वा मार्ग को पूरी तरह ब्लॉक कर दिया गया है। ऐसे में इन रास्तों से जाने वाले ट्रैफिक को अन्य रास्तों की तरफ परिवर्तित किया गया है। इससे आसपास की कॉलोनियों व मार्गों पर सुबह से शाम तक जाम की स्थिति बनी रही। हालांकि, मंगलवार के मुकाबले बुधवार को कुछ राहत थी। भलस्वा के पास कंटेनर रखकर जीटी करनाल रोड को पूरी तरह बंद किया गया है। भलस्वा से ट्रैफिक को बादली की ओर परिवर्तित करने से जहांगीरपुरी तक दिनभर जाम रहा।

2.टीकरी बॉर्डर: सड़क पर जर्सी बैरियर व कंटीले तार लगाकर बॉर्डर सील किया गया है। नांगलोई से जीटी करनाल रोड की तरफ ट्रैफिक को जाने नहीं दिया जा रहा। नांगलोई से ट्रैफिक को जीटी करनाल रोड की तरफ मोड़ा जा रहा है। यहां वाहन नजफगढ़ व गुरुग्राम होकर हरियाणा रहे हैं। इस मार्गों पर ट्रैफिक बढ़ने से वाहनों की दिनभर लाइन लगी रही। यहां पर 4 ये 5 किलोमीटर जाम लगा रहा।

3. लामपुर बॉर्डर: यहां पर वाहनों की पूरी तरह आवाजाही बंद है। सीमा से काफी पहले से ही ट्रैफिक को परिवर्तित किया गया। यहां ट्रैफिक को घोघा गांव की तरफ डायवर्ट किया गया।

4. औचंदी बॉर्डर: बॉर्डर सील होने से यहां से ट्रैफिक को मुंगेशपुर, कुतुबगढ़ और हरेवली की तरफ परिवर्तित किया गया। इस बॉर्डर के कारण दिल्ली के हरियाणा के ओर जाने वाले छोटे-बड़े मार्गों पर दिनभर जाम लगा रहा।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने जारी किए दिशा-निर्देश

* एनएच-44 पर सिंघु बॉर्डर यातायात के लिए बंद।

* हरियाणा/पंजाब/हिमाचल आदि के लिए अंतरराज्यीय बसें और एचजीवी वाणिज्यिक ट्रकों को सिग्नेचर ब्रिज से खजूरी चौक वाया लोनी बॉर्डर से ईस्टर्न पेरिफेरल रोड की ओर जाने के लिए मजनूं का टीला, आउटर रिंग रोड पर डायवर्जन लेना होगा।

* आजादपुर मंडी से संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर जाने वाले ट्रकों को आजादपुर मंडी से डायवर्जन लेना होगा, सर्विस रोड से आउटर रिंग रोड, हैदरपुर वाटर प्लांट की ओर जाना होगा और रोहिणी जेल रोड सेक्टर-18 से बादली मेट्रो स्टेशन से संजय गांधी ट्रांसपोर्ट के लिए यू-टर्न लेना होगा।

* केवल डीटीसी बसों और कारों व अन्य चारपहिया वाहनों को मुकरबा चौक से एनएच-44 की ओर नरेला और सफियाबाद सीमा की ओर जाने के लिए निकास लेने की अनुमति है।

30 हजार पुलिसकर्मी तैनात

दिल्ली पुलिस वर्ष 2020 की तरह इस बार कोई गलती नहीं करना चाहती। पिछली बार किसान दिल्ली में घुसकर सीमाओं पर सड़क पर ही बैठ गए थे। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने पुलिस आयुक्त को किसानों को किसी भी सूरत में दिल्ली में नहीं घुसने देने के आदेश दिए हैं। ऐसे में पुलिस ने इस बार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रखी है। गाजीपुर, सिंघु व टीकरी बॉर्डर और नई दिल्ली जिले में ही 30 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने सुरक्षा व्यवस्था की खुद कमान संभाल रखी है। वे सुबह से ही बॉर्डरों पर पहुंचकर व्यवस्था की जानकारी ले रहे हैं।

पुलिस आयुक्त खुद सीमाओं का लिया जायजा

दिल्ली पुलिस की 200 कंपनियां (एक कंपनी में 70 से ज्यादा पुलिसकर्मी होते हैं) सिंघु, टीकरी व गाजीपुर बॉर्डर पर तैनात हैं। गृहमंत्रालय ने पुलिस को 82 कंपनियां दी हैं। इसके अलावा पुलिस कार्यालय में काम करने वाले पुलिसकर्मियों की 150 कंपनियों को सुरक्षा में तैनात किया गया है। इसके अलावा लोकल पुलिस भी मुस्तैद है। नई दिल्ली में ही आउटर फोर्स के ही 1260 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। नई दिल्ली जिला पुलिस आयुक्त देवेश कुमार महला ने बताया कि जिले में ही 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मी नजर रख रहे हैं। गृहमंत्री, प्रधानमंत्री आवास समेत अन्य वीवीआईपी जगहों की सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। इसके अलावा महत्वपूर्ण जगहों पर पिकेट व स्पेशल पेट्रोलिंग करवाई जा रही है।

छत्रसाल स्टेडियम में दी जाएगी प्रदर्शन की अनुमति

पुलिस किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने नहीं देगी। अगर किसान किसी तरह प्रवेश कर गए तो उन्हें छत्रसाल स्टेडियम में प्रदर्शन की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, अभी दिल्ली सरकार ने स्टेडियम को डिटेंशन सेंटर बनाने से इंकार कर दिया है। स्टेडियम में प्रदर्शन के लिए उपराज्यपाल से अनुमति मांगी जाएगी।

[redacted] एनजीटी के चेयरमैन जिस्टस प्रकाश श्रीवास्तव, जिस्टस सुधीर अग्रवाल और डॉ. ए सेथिंल वेल की पीठ ने हाजीपुर गांव के प्रेम मोहन गौड़ की याचिका पर यह फैसला सुनाया।

एनजीटी ने NHAI पर लगाया 45 करोड़ का जुर्माना

एक्सप्रेसवे निर्माण में पर्यावरण नियमों का उल्लंघन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। एक्सप्रेसवे निर्माण के क्रम में पर्यावरण नियमों के उल्लंघन पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने 45 करोड़ का जुर्माना लगाया है। मंगलवार को एनजीटी के चेयरमैन जिस्टस प्रकाश श्रीवास्तव, जिस्टस सुधीर अग्रवाल और डॉ. ए सेथिंल वेल की पीठ ने हाजीपुर गांव के प्रेम मोहन गौड़ की याचिका पर यह फैसला सुनाया।

याचिकाकर्ता ने एनएचएआई पर गुरुग्राम के सोहना तहसील के हाजीपुर और नूंह के किरंज गांव में डीएनडी-फरीदाबाद-केएमपी (दिल्ली-बड़ोदरा-मुंबई) एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान पेड़ काटे जाने, चारागाह खराब किए जाने, जल निकासी के नाले ध्वस्त किए जाने, पंचायती रास्ते बर्बाद किए जाने, सरकारी संरक्षित तालाब को पाट दिए जाने जैसे आरोप लगाए गए थे।

वर्ष 2022 में लगाई गई इस याचिका के फैसले में एनजीटी ने कहा है कि एनएचएआई तीन महीने में जुर्माने की राशि हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास जमा करे। वह ऐसा नहीं करते हैं तो राज्य के मुख्य सचिव दो महीने में सड़क तोड़ कर नालों, जोहड़ और चारागाह को पुनर्स्थापित करने का काम करें।

प्रेम मोहन द्वारा दिए गए प्रमाणों की पुष्टि करने के लिए और विवादित स्थल के तथ्यों की पुष्टि के लिए एनजीटी ने उपायुक्त गुरुग्राम की अध्यक्षता में एक सरकारी टीम का गठन किया था। इस टीम ने पिछले वर्ष जुलाई में मौके का मुआयना कर एनएचएआई को सभी मुद्दों पर दोषी पाया और अपनी रिपोर्ट में हर पर्यावरणीय उल्लंघन का विस्तार से उल्लेख किया। विस्तृत रिपोर्ट के मद्देनजर एनजीटी के न्यायाधीशों ने एनएचएआई को उल्लंघन किए हुए मुद्दों पर उपचारात्मक कार्रवाई करने का मौका दिया और अनुपालना रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया। अपनी अनुपालना रिपोर्ट में एनएचएआई ने पर्यावरणीय उल्लंघन को सिरे से खारिज कर दिया था।

इसके बाद कोर्ट में सभी 17 प्रतिवादियों के वकीलों की वादी वकील से बहस हुई। बहस में कोर्ट ने एनएचएआई को तथ्यों के साथ सभी मुद्दों पर दोषी पाया। इसके बाद नवंबर में अंतिम सुनवाई के बाद अपने फैसले को सुरक्षित रख लिया। मंगलवार को लगभग तीन माह के अंतराल के बाद एनजीटी ने अपना अंतिम निर्णय खुली अदालत में सुनाया। अपने फैसले में अदालत ने पहले इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि जो मुद्दे पर्यावरण से संबंधित नहीं हैं, जैसे पंचायत रास्तों का खराब होना या नए निर्मित रोड की एलाइनमेंट सही नहीं होना आदि के लिए वादी,

प्रेम मोहन गौड़ उचित मंच यानी उचित न्यायालय के समक्ष अपना अभियोग दर्ज करवा सकते हैं, क्योंकि ये मसले एनजीटी के क्षेत्राधिकार में नहीं आते।

इस फार्मूले पर लगा जुर्माना

अपने 112 पेज के फैसले में एनजीटी ने पर्यावरण के नुकसान पर एनएचएआई को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा है कि सड़क तोड़ देनी चाहिए मगर सामुदायिक हित और राजस्व को देखते हुए इसे नहीं तोड़ा जा सकता है। पर्यावरण हित में अनुमति लिया जाना कोई औपचारिकता नहीं है।

परियोजना के पांच प्रतिशत का लगाया जुर्माना

एनजीटी ने एनएचएआई पर जुर्माना लगाने के लिए इस सिद्धांत का अनुसरण किया कि परियोजना के मूल्य का 10 प्रतिशत तक का जुर्माना लगाया जा सकता है और पांच प्रतिशत तक तो औसतन लगता ही है। इसलिए परियोजना का मूल्य 908 करोड़ रखते हुए पांच प्रतिशत के हिसाब से जुर्माने का मूल्य 45.4 करोड़ हुआ और उसे पूर्णांक करते हुए 45 करोड़ रखा गया।

जुर्माना राशि के इस्तेमाल को गठित की गई कमेटी

जुर्माने की राशि को इस्तेमाल करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। इसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इस समिति का हिस्सा उपायुक्त नूंह, उपायुक्त गुरुग्राम, पर्यावरण मंत्रालय से वरिष्ठ अधिकारी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक हरियाणा, हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बनाया गया है।

विकास के नाम पर ग्रामीणों के जीवन को अस्त-वयस्त करने और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने पर एनजीटी के इस फैसले से अंकुश लगेगा। एक्सप्रेसवे विकास की जरूरत है मगर गांव के जोहड़, चारागाह, नाले, पेड़ आदि को नुकसान पहुंचाए बगैर भी यह हो सकता था।

-प्रेम मोहन गौड़, याचिकाकर्ता

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

पूजा के बाद क्यों जरूरी है आरती ?

हम सभी जानते हैं कि सूर्य सारे ब्रह्मांड की उर्जा का स्रोत है। सृष्टि के कण-कण को शक्ति सूर्य से ही मिलती है। प्रकृति हो या मनुष्य या चर-अचर जगत की कोई भी वस्तु, सभी सूर्य की किरणों के स्पर्श मात्र से नया जीवन पाते हैं।

स्कन्द पुराण में कहा गया है :-

मन्त्रहीनं क्रियाहीनं यत्कृतं पूजनं हरेः।
सर्वं सम्पूर्णतामेति कृते निराजने शिवे।।

अर्थात – पूजन मंत्रहीन तथा क्रियाहीन होने पर भी नीराजन (आरती) कर लेने से उसमे सारी पूर्णता आ जाती है।

आरती करने का ही नहीं, देखने का भी बड़ा पुण्य फल प्राप्त होता है। हरि भक्ति विलास में एक श्लोक है-

नीराजनं च यः पश्येद् देवदेवस्य चक्रिणः।
सप्तजन्मनि विप्रः स्यादन्ते च परमं पदम।।

अर्थात – जो भी देवदेव चक्रधारी श्रीविष्णु भगवान की आरती देखता है, वह सातों जन्म में ब्राह्मण होकर अंत में परम्पद को प्राप्त होता है।

श्री विष्णु धर्मोत्तर में कहा गया है :-

धूपं चरात्रिकं पश्येत काराभ्यां च प्रवन्देत।
कुलकोटीं समुद्धृत्य याति विष्णोः परं पदम।।

अर्थात – जो धुप और आरती को देखता है और दोनों हाथों से आरती लेता है, वह करोड़ पीढ़ियों का उद्धार करता है और भगवान विष्णु के परम पद को प्राप्त होता है।

आरती में पहले मूल मंत्र (जिस देवता का, जिस मंत्र से पूजन किया गया हो, उस मंत्र) के द्वारा तीन बार पुष्पांजलि देनी चाहिये और ढोल, नगाड़े, शख्ड, घड़ियाल आदि महावाद्यो के तथा जय-जयकार के शब्दों के साथ शुभ पात्र में घृत से या कर्पूर से विषम संख्या में अनेक बत्तियाँ जलाकर आरती करनी चाहिए।

ततश्च मुलमन्त्रेण दत्त्वा पुष्पाञ्जलित्रयम।
महानिराजनं कुर्यान्महावाद्यजयस्वनैः।।
प्रज्वलेत्तदर्थं च कर्पूरेण घृतेन वा।
आरार्तिकं शुभे पात्रे विषमानेकवर्दिकम।।

अर्थात – साधारणतः पाँच बत्तियों से आरती की जाती है, इसे 'पञ्चप्रदीप' भी कहते है। एक, सात या उससे भी अधिक बत्तियों से आरती की जाती है। कर्पूर से भी आरती होती है।

पद्मपुराण में कहा है :-

कुङ्कुमागुरुकर्पुरघृतचंदननिर्मिताः।
वर्तिकाः सप्त वा पञ्च कृत्वा वा दीपवर्तिकाम।।
कुर्यात्सप्तप्रदीपेन शङ्खघण्टादिवाद्यकैः।

अर्थात – कुङ्कम, अगर, कर्पूर, घृत और चंदन की पाँच या सात बत्तियां बनाकर शङ्ख, घण्टा आदि बाजे बजाते हुवे आरती करनी चाहिए।

आरती के पाँच अंग होते है :-

पञ्च नीराजनं कुर्यात प्रथमं दीपमालया।
द्वितीयं सोदकाब्जेन तृतीयं धौतवाससा।।
चूताश्वत्थादिपत्रैश्च चतुर्थं परिकीर्तितम।
पञ्चमं प्रणिपातेन साष्टाङ्गेन यथाविधि।।

अर्थात – प्रथम दीपमाला के द्वारा, दूसरे जलयुक्त शङ्ख से, तीसरे धुले हुए वस्त्र से, आम ०पीपल अदि के पत्तों से और पाँचवे साष्टांग दण्डवत से आरती करें।

आदौ चतुः पादतले च विष्णो द्वौं नाभिदेशे मुखबिम्ब एकम।
सर्वेषु चाङ्गेषु च सप्तवारा नारात्रिकं भक्तजनस्तु कुर्यात।।

अर्थात – आरती उतारते समय सर्वप्रथम भगवान की प्रतिमा के चरणों में उसे चार बार घुमाए, दो बार नाभिदेश में, एक बार मुखमण्डल पर और सात बार समस्त अंङ्गो पर घुमाए।

. आरती दीपक से क्यों

रुई के साथ घी की बाती जलाई जाती है। घी समृद्धि प्रदाता है। घी रुखापन दूर कर स्निग्धता प्रदान करता है। भगवान को अर्पित किए गए घी के दीपक का मतलब है कि जितनी स्निग्धता इस घी में है। उतनी ही स्निग्धता से हमारे जीवन के सभी अच्छे कार्य बनते चले जाएं। कभी किसी प्रकार की रुकावटों का सामना न करना पड़े।

2.आरती में शंख ध्वनि और घंटा ध्वनि क्यों

आरती में बजने वाले शंख और घंटी के स्वर के साथ,जिस किसी देवता को ध्यान करके गायन किया जाता है। उससे मन एक

जगह केन्द्रित होता है,जिससे मन में चल रहे विचारों की उथल-पुथल कम होती जाती है। शरीर का रोम-रोम पुलकित हो उठता है,जिससे शरीर और ऊर्जावान बनता है।

3. आरती कर्पूर से क्यों

कर्पूर की महक तेजी से वायुमंडल में फैलती है। ब्रह्मांड में मौजूद सकारात्मक शक्तियों(दैवीय शक्तियां)को यह आकर्षित करती है। आरती वह माध्यम है जिसके द्वारा देवीय शक्ति को पूजन स्थल तक पहुंचने का मार्ग मिल जाता है।

4. आरती करते हुए भक्त के मन में ऐसी भावना होनी चाहिए कि मानो वह पंच-प्राणों (पूरे मन के साथ) की सहायता से ईश्वर की आरती उतार रहा हो। घी की ज्योति को आत्मा की ज्योति का प्रतीक मानना चाहिए। यदि भक्त अंतर्मन से ईश्वर को पुकारते हैं तो यह पंचारती कहलाती है।

5. आरती दिन में एक से पांच बार की जा सकती है। घरों में आरती दो बार की जाती है। प्रातःकालीन आरती और संध्याकालीन आरती।

6. दीपभक्ति विज्ञान के अनुसार आरती से पहले भगवान को नमस्कार करते हुए तीन बार फूल अर्पित करना चाहिए।

7. उसके बाद एक दीपक में शुद्ध घी लेकर उसमें विषम संख्या में यानी कि 3, 5 या 7 बत्तियां जलाकर आरती करनी चाहिए। सामान्य तौर पर पांच बत्तियों से आरती की जाती है,जिसे पंच प्रदीप भी कहते हैं। इसके बाद कर्पूर से आरती की जाती है। कर्पूर का धुंआ वायुमंडल में जाकर मिलता है। यहां धुआं हमारे पूजन कार्य को ब्रह्मांडकीय शक्ति तक पहुंचाने का कार्य करता है।

8. किसी विशेष पूजन में आरती पांच चीजों से की जा सकती है। पहली धूप से, दूसरी दीप से, तीसरी धुले हुए वस्त्र से, कर्पूर से,पांचवी जल से।

आरती करने की विधि :-

1. भगवान के सामने आरती इस प्रकार से घुमाते हुए करना चाहिए कि ऊँ जैसी आकृति बने।

2. अलग-अलग देवी-देवताओं के सामने दीपक को घुमाने की संख्या भी अलग है, जो इस प्रकार है।

भगवान शिव के सामने तीन या पांच बार घुमाएं। भगवान गणेश के सामने चार बार घुमाएं। भगवान विष्णु के सामने बारह बार घुमाएं। भगवान रूद्र के सामने चौदह बार घुमाएं।भगवान सूर्य के सामने सात बार घुमाएं। भगवती दुर्गा जी के सामने नौ बार घुमाएं।

अन्य देवताओं के सामने सात बार घुमाएं।

यदि दीपक को घुमाने की विधि को लेकर कोई उलझन हो रही हो तो आगे दी गई विधि से किसी भी देवी या देवता की आरती की जा सकती है।

3. आरती अपनी बांई ओर से शुरू करके दाईं ओर ले जाना चाहिए। इस क्रम को सात बार किया जाना चाहिए। सबसे पहले भगवान की मूर्ति के चरणों में चार बार, नाभि देश में दो बार और मुखमंडल में एक बार घुमाना चाहिए। इसके बाद देवमूर्ति के सामने आरती को गोलाकार सात बार घुमाना चाहिए।

4. पद्म पुराण में आरती के लिए कहा गया है कि कुंकुम, अगर, कपूर, घी और चन्दन की सात या पांच बत्तियां बनाकर अथवा रुई और घी की बत्तियां बनाकर शंख, घंटा आदि बजाते हुए आरती करनी चाहिए।

5. भगवान की आरती हो जाने के बाद थाल के चारों ओर जल घुमाया जाना चाहिए, जिससे आरती शांत की जाती है।

6. भगवान की आरती सम्पन्न हो जाने के बाद भक्तों को आरती दी जाती है। आरती अपने दाईं ओर से दी जानी चाहिए।

7. सभी भक्त आरती लेते हैं। आरती लेते समय भक्त अपने दोनों हाथों को नीचे को उलटा कर जोड़ते हैं। आरती पर से घुमा कर अपने माथे पर लगाते हैं। जिसके पीछे मान्यता है कि ईश्वरीय शक्ति उस ज्योत में समाई रहती हैं। जिस शक्ति का भाग भक्त माथे पर लेते हैं। एक और मान्यता के अनुसार इससे ईश्वर की नजर उतारी जाती है। जिसका असली कारण भगवान के प्रति अपने प्रेम व भक्ति को जताना होता है।

सूर्य अर्घ्य का महत्व

हम सभी जानते हैं कि सूर्य सारे ब्रह्मांड की उर्जा का स्रोत है। सृष्टि के कण-कण को शक्ति सूर्य से ही मिलती है। प्रकृति हो या मनुष्य या चर-अचर जगत की कोई भी वस्तु, सभी सूर्य की किरणों के स्पर्श मात्र से नया जीवन पाते हैं।

शास्त्रों के अनुसार सृष्टि की प्रत्येक रचना पांच मुख्य तत्वों पृथ्वी, आकाश, जल, अग्नि और वायु से मिलकर हुई है। ये पांचों प्रकृति के आधार तत्व हैं और इन सभी का केंद्र है सूर्य। ब्रह्मांड निर्माण के इन पांचों तत्वों को ऊर्जा सूर्य से मिलती है।

ऋग्वेद में है सूर्य अर्घ्य का महत्व-:

भारतीय दर्शन के मूल आधार चारों वेदों में से पहले और प्रमुख ऋग्वेद में इसका समुचित और विस्तृत विवरण मिलता है। ऋग्वेद में कहा गया है कि सूर्य प्रकृति के प्रत्येक कण को जागृत करता है। सूर्य के कारण ही सृष्टि का प्रत्येक कण काम करता है और सक्रिय रहता है। सृष्टि के समस्त जीवित तत्व अपनी ऊर्जा के लिए सूर्य पर ही निर्भर करते हैं। सूर्य जीव मात्र की शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक दुर्बलताओं को समाप्त कर प्रत्येक प्राणी को स्वस्थ और दीर्घायु बनाता है। सूर्य की किरणों में समाहित सात रंग मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण और असरकारी हैं। यदि कोई व्यक्ति सुबह स्नान करने के बाद एक कलश जल सूर्य को अर्पित करता है, तो उस जल की धार से छनकर आती सूर्य की किरणें पूरे शरीर पर पड़कर सारे रोगों को दूर करती हैं और व्यक्ति को बुद्धिमान बनाती हैं।

वैज्ञानिकों ने भी माना अर्घ्य का महत्व-:

धर्म से इतर वैज्ञानिक प्रमाणों पर विश्वास करने वाली आधुनिक पीढ़ी के लिए सूर्य को अर्घ्य देने के पक्ष में पर्याप्त वैज्ञानिक आधार हैं। कई वैज्ञानिकों ने अनुसंधान और शोध के बाद प्रमाणित किया है कि वेदों में बताया गया हर कार्य विज्ञान सम्मत है। सूर्य को अर्घ्य देने की रीति के बारे में विस्तृत प्रमाण देते हुए विज्ञान ने भी साबित किया है कि जब हम सूर्योदय के समय दोनों हाथों को ऊपर उठाकर सूर्य को जल चढ़ाते हैं, तब तीखे किनारी वाले कलश से पानी की पतली सी धार गिरती है। इस धार से सूर्य और जल चढ़ा रहे व्यक्ति के बीच पानी की एक पतली दीवार बन जाती है। यूं तो सूर्य के प्रचंड प्रकाश की तरफ खाली आंखों से देख पाना संभव नहीं है, पर पानी की धुंधली दीवार से छनकर जब सूर्य की किरणें हमारी आंखों पर पड़ती हैं, तो वह नेत्र ज्योति को परिष्कृत करती हैं। इससे आंखों की ना सिर्फ रोशनी बढ़ती है, बल्कि कई तरह के रोगों से बचाव भी होता है। पानी की धार से छनकर आती सूर्य की किरणें पूरे शरीर पर सकारात्मक उर्जा का छिड़काव करती हैं। इससे व्यक्ति के आंतरिक और आत्मिक बल में वृद्धि होती है।

ज्योतिषीय महत्व-:

सूर्य को अर्घ्य देने का महत्व केवल वेदों और विज्ञान में ही नहीं बताया गया है, बल्कि ज्योतिष ग्रंथों में भी सूर्य को अर्घ्य देने के अनेक लाभ बताए गए हैं। सूर्य सभी ग्रहों का राजा है अतः कुंडली में सूर्य जितना बली होगा उतना ही जातक को लाभ होगा, सूर्य को जल अर्पित करने से सूर्य बली होता है। यदि जन्मांगचक्र में सूर्य की कमजोर स्थिति हो और सूर्य को बली बनाना हो तो सूर्य को प्रतिदिन लाल पुष्प डालकर अर्घ्य दिया जाता है।

धर्म हो या विज्ञान-:

बहरहाल, धर्म हो या विज्ञान, दोनों का उद्देश्य मानव मात्र की भलाई और उसकी क्षमताओं में वृद्धि करना है। दोनों ही अपने स्वभाव और मान्यताओं के अनुसार मनुष्य के विकास में सहायक होते हैं। यही वजह है कि कभी धर्म विज्ञान का, तो कभी विज्ञान धर्म का परीक्षण करता रहता है। इसी क्रम में सूर्य को अर्घ्य देने जैसी रीतियां प्रमाणित होती हैं, जो मनुष्य के लिए कल्याणकारी होती हैं। वैसे भी सूर्य को जल चढ़ाना ना तो अधिक समय और ना ही अतिप्रयास मांगता है। एक छोटे से प्रयास को आदत बनाकर हम अपना संपूर्ण कल्याण बड़ी ही आसानी से कर सकते हैं, और वैसे भी सूर्य को अर्घ्य देने से प्रकृति के प्रति समर्पण भाव को बल मिलता है। अतः प्रातः काल स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य देने की आदत डालें।।

मेंटल हेल्थ के लिए खतरनाक है अकेलापन, इससे कैसे निपटा जाए, महिलाएं जरूर फॉलो करें 5 टिप्स

क्या आप जानती हैं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकेलापन कितना खतरनाक है ? यही नहीं, अधिक दिनों तक अकेलापन आपके शारीरिक सेहत को भी प्रभावित करने लगता है. इससे निपटने के लिए अपनाएं ये टिप्स.

बदलते लाइफस्टाइल और व्यस्त होती जिंदगी में लोग भीड़ में भी अकेलापन महसूस करते हैं. ये अकेलापन रिश्ते को सही तरीके से ना निभा पाने, भावनात्मक रूप से अलगाव महसूस करने या खुद से नाराजगी के कारण भी लोगों के मानसिक सेहत पर नकारात्मक असर डालने लगता है. ऐसे हालात में इंसान कई बार परिवार के साथ रहकर भी अकेला महसूस करता है. ऐसे अकेलेपन में महिलाएं आसानी से घिर जाती हैं और वे धीरे-धीरे लोगों से दूरी बनाने लगती हैं. यहां हम बता रहे हैं कि आप खुद को अकेलेपन से किस तरह बचा सकती हैं.

महिलाएं खुद को इस तरह बचाएं अकेलेपन से

खुद के प्रति रहें उदार

साइकोलॉजी टुडे के मुताबिक, अगर आप अपने इस बुरे हाल की वजह खुद का मानती हैं और हर वक्त खुद का सजा देती रहती हैं तो यह तरीका आपको कभी भी अकेलेपन से बाहर नही निकलने देगा. बेहतर होगा कि आप अपना ख्याल रखें, खुद को अच्छी लगने वाली चीजें करें और खुद के प्रति उदार बनें.

भीगा चना खाने के 5 जबरदस्त फायदेआगे देखें...

आप जब कुछ पॉजिटिव काम करती हैं तो आप फीलगुड महसूस करती हैं. यही नहीं, आप खुद के प्रति अच्छा महसूस करती हैं. ऐसे में आप अपनी बातों को शेयर करें, लोगों की मदद करें और जरूरतमंदों के साथ अच्छा वक्त गुजारें.

रियल लाइफ में जिएं

सही मायने में सोशल मीडिया आपको अपनों से नजदीक नहीं, दूर ले जाता है, इसलिए बेहतर होगा कि आप रियल लाइफ में जिएं. बेहतर होगा कि आप कुछ दिनों में लिए सोशल मीडिया से हट जाएं और अपने आसपास की जिंदगी को महसूस करें.

एक्स सपीरियेंस पर करें खर्च

जीवन में कुछ नया अनुभव हासिल करने के लिए भले ही आपको पैसे खर्च करने पड़े, आप खर्च करें. यह आपको दुनिया में जीने का नया मौका देता है. आप कहीं ट्रैवल करें, टूर पर जाएं, ट्रैकिंग का अनुभव लें यानी अब तक जो नहीं किया है, उन चीजों पर खर्च करें और नया अनुभव हासिल करें.

अजनबियों से करें बात

अगर आप राह चलते किसी से बात करती हैं तो आप बेहतर महसूस करेंगी. इसके लिए आप जब भी बाहर हों, तो लोगों से मिलते ही हैलो, गुड मॉर्निंग या आप कैसे हैं, आदि जरूर पूछती रहें.

अकेलेपन का असर

-अल्जाइमर की बीमारी
-ब्रेन फंक्शन में समस्या
-एंटीसोशल बिहेवियर
-हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा
-याददाश्त की कमी
-तनाव का लगातार बढ़ना
-निर्णय लेने की क्षमता में कमी.

'भारत बंद' से दिल्ली ने किया किनारा, शुक्रवार को खुले रहेंगे राजधानी के 700 बाजार; सुरक्षा की मांग

दिल्ली के 700 से अधिक प्रमुख व थोक बाजार शुक्रवार को खुले रहेंगे। बाजार संगठनों के साथ ही प्रमुख व्यापारी संगठनों ने सवाल उठाते हुए कहा कि वे किसानों द्वारा भारत बंद का बुलावा किए जाने के बावजूद अपने ग्राहकों की सेवा करने के लिए अपनी दुकानें खुली रखेंगे। साथ ही इस मामले में बाजारों में अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आंदोलनरत किसान संगठन के 'भारत बंद' से दिल्ली ने किनारा किया है। शुक्रवार को आम दिनों की तरह दिल्ली के 700 से अधिक प्रमुख व थोक बाजार खुले रहेंगे। बाजार संगठनों के साथ ही प्रमुख व्यापारी संगठनों ने भारत बंद के आह्वान के औचित्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे किसानों द्वारा भारत बंद का बुलावा किए जाने के बावजूद अपने ग्राहकों की सेवा करने और आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने के लिए अपनी दुकानें खुली रखेंगे।

साथ ही कारोबारी संगठनों ने व्यापारियों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा है कि वे सतर्क रहें और भारत बंद के दौरान अपने संस्थानों और ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। इस मामले में वे स्थानीय अधिकारियों के साथ सहयोग करने और सभी सुरक्षा प्रोटोकालों का पालन करने की सलाह दी है ताकि किसी भी अवरोध को रोका जा सके। साथ ही इस मामले में बाजारों में अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है।

50 प्रतिशत तक घट गया है कारोबार

किसानों आंदोलन से दिल्ली का कारोबार काफी कम हो गया है। थोक बाजारों में प्रमुख रूप से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश समेत अन्य राज्यों से खरीदार आते हैं। जो इस आंदोलन के चलते नहीं आ पा रहे हैं। सदर बाजार जैसे कुछ बाजारों में बिक्री की गिरावट 70 प्रतिशत तक हो गई है। अभी जबकि शादियों का मौसम चल रहा है। इसमें यह स्थिति व्यापारियों के लिए चिंताजनक है। इसलिए अधिकतर दुकानदार बंद के पक्ष में नहीं है। दिल्ली में प्रतिदिन औसतन 10 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होता है, जो घटकर फिलवक्त पांच हजार करोड़ रुपये रह गया है।

> दिल्ली में 700 बाजार और 56 औद्योगिक क्षेत्र है। भारत बंद को लेकर सभी बाजार संगठनों ने कहा है कि बाजारों और दुकानों को बंद करने का कोई औचित्य नहीं है। चिंताजनक स्थिति यह है कि अगर यह आंदोलन अधिक दिनों तक चला और दिल्ली की सीमाओं पर बैरिकेड्रिंग और जाम रहा तो दूध, सब्जी, फल आदि आम जरूरत की आपूर्ति पर भी असर पड़ेगा। **- बृजेश गोयल, चेयरमैन, चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री**
>
> हम किसान आंदोलन का समाधान निकाले जाने के पक्ष में है, लेकिन भारत बंद के नहीं। बाजार पहले से मंदी से जूझ रहे हैं। ट्रांसपोर्टर माल की बुकिंग नहीं कर रहे हैं। ऐसे में बंद बाजार को चोट पहुंचाएगा। इसलिए व्यापारी इसके पक्ष में नहीं है। **- हेमंत गुप्ता, महासचिव, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, दिल्ली**
>
> आंदोलन से पहले से ही दिल्ली के बाजार पस्त है। यहां के बाजारों का प्रतिदिन का कारोबार 10 हजार करोड़ से अधिक है। जो घटकर आधा रह गया है। दूसरे राज्यों से खरीदार जाम व सुरक्षा कारणों से नहीं आ रहे हैं। इसलिए हम बंदी से दूर रहने का निर्णय लिया है। **- देवराज बवेजा, अध्यक्ष, दिल्ली व्यापार महासंघ**
>
> ग्राहकों की सेवा के लिए दुकानों और बाजारों को खोलने के साथ ही दुकानदारों को सुरक्षात्मक उपाय अपनाने की सलाह दी है। क्योंकि, ऐसे मामलों में अराजकतत्व सक्रिय हो जाते हैं। जो नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए बाजारों में अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की गई है। **- विपिन आहूजा, प्रदेश अध्यक्ष, कंफेडरेशन आफ**

टीकरी बॉर्डर पर आवाजाही में लोगों को मिली ढील, एक बैरिकेड को हटाया

परिवहन विशेष न्यूज

टीकरी बॉर्डर पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस कर्मी तो तैनात हैं ही बृहस्पतिवार को यहां पर एंबुलेंस की तीन गाड़ियां भी खड़ी कर दी गई हैं। अगर कोई पुलिस कर्मी या अर्ध सैनिक बलों के जवान घायल होते हैं तो उनको अस्पताल ले जाने के लिए आसानी होगी। सख्ती के बीच बृहस्पतिवार को टीकरी बॉर्डर पर आवाजाही में ढील दी गई है।

पश्चिमी दिल्ली। किसानों के दिल्ली कूच के एलान को देखते हुए बुधवार को टीकरी बॉर्डर पर आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी गई थी, लेकिन बृहस्पतिवार को इसमें ढील दी गई। बृहस्पतिवार को दोनों रोड के बीच बने सेंट्रल वर्ज पर से एक बैरिकेड हटा दिया गया है।

इस वजह से लोग अब पैदल बॉर्डर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में जा पा रहे हैं। यहां से करीब 500 मीटर पैदल चलने के बाद उन्हें टीकरी बॉर्डर से ही दिल्ली की बस मिल जा रही है। बृहस्पतिवार को काफी लोग पैदल ही चलते दिखाई दिए। कोई महिला बच्चों को गोद में उठाकर जा रही थी तो कोई हाथ पकड़कर। दिनभर टीकरी बॉर्डर पर यही हालात रहे।

टीकरी बॉर्डर पर एबुलेंस भी पहुंची

टीकरी बॉर्डर पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस कर्मी तो तैनात हैं ही, बृहस्पतिवार को यहां पर एंबुलेंस की तीन गाड़ियां भी खड़ी कर दी गई हैं। अगर कोई पुलिस कर्मी या अर्ध सैनिक बलों के जवान घायल होते हैं तो उनको अस्पताल ले जाने के लिए आसानी होगी। टीकरी बॉर्डर पर अब दुकानों को बंद करवा दिया गया है। दुकानों पर काम करने वाले कर्मचारियों के पास अब काम नहीं है। इस वजह से वह दुकानों के बाहर बने चबूतरे पर बैठकर धूप सेंकते रहते हैं और बैरिकेड के पीछे तैनात पुलिस कर्मियों को देखते रहते हैं।

ऑटो का ले रहे सहारा

हरियाणा के बहादुरगढ़ से दिल्ली जाने वाले लोगों को मुख्य बैरिकेड से 100 मीटर पहले लगाए गए लोहे के बैरिकेड के पास ऑटो चालक उतार दे रहे हैं। वह उन्हें गलियों के रास्ते हरियाणा के दूसरे इलाकों तक लेकर जा रहे हैं। अभी तक लोगों से सामान्य किराया लिया जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में ऑटो चालक किराया बढ़ा सकते हैं। कृषि कानून विरोधी प्रदर्शन के दौरान भी यह देखने को मिला था।

मेट्रो से लोगों का सफर हुआ आसान

टीकरी बॉर्डर पर मेट्रो का संचालन होने से हरियाणा से दिल्ली आने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वह अब बस या कार की जगह मेट्रो से सफर कर रहे हैं। इस वजह से भी टीकरी बॉर्डर पर पैदल जाने वाले लोगों की संख्या काफी कम है। पैदल जाने वाले लोगों में दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोगों व उनके परिवार के लोगों की संख्या ज्यादा है।

अलीपुर में पेंट की एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

बाहरी दिल्ली के अलीपुर में पेंट की एक फैक्ट्री में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके के लिए रवाना हो गई हैं। फैक्ट्री में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। धुएं का गुबार कई किलोमीटर तक देखा जा सकता है। खबर अपडेट की जा रही है।

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के अलीपुर में पेंट की एक फैक्ट्री में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके के लिए रवाना हो गई हैं। फैक्ट्री में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। धुएं का गुबार कई किलोमीटर तक देखा जा सकता है।

दिल्ली वालों के लिए बड़ी खुशखबरी, दो महीने में तैयार हो जाएगा एक और गोल्फ कोर्स; क्लब हाउस में होंगी कई सुविधाएं

गोल्फ कोर्स बनाने के लिए सभी कार्य अप्रैल से पहले पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। गोल्फ कोर्स के लिए आम तौर पर मैक्सिकन घास का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन यहां कोर्स के अधिकतम हिस्से में मैक्सिकन घास के बजाय देशी घास का इस्तेमाल किया गया है। इसकी वजह देश की जलवायु के अनुरूप इस घास का उपयुक्त होना है।

दिल्ली। दिल्ली वालों को अप्रैल महीने तक एक और गोल्फ कोर्स मिलने जा रहा है। 250 करोड़ की लागत से यशोभूमि के नजदीक व प्रस्तावित द्वारका डिप्लोमेटिक एंक्लेव के सटे द्वारका सेक्टर 24 में 171 एकड़ में विकसित हो रहे 18 होल वाले इस गोल्फ कोर्स में हरियाली से जुड़े कार्य करीब करीब पूरे किए जा चुके हैं। गोल्फ कोर्स परिसर में हरियाली की फैली चादर आसपास से गुजरने वालों का ध्यान खूब खींच रही है। फिलहाल क्लब हाउस व ड्राइविंग रेंज से जुड़े कार्य तेजी से चल रहे हैं। सभी कार्य अप्रैल से पहले पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। यदि कुछ कार्य शेष रह जाते हैं, तब चरणबद्ध तरीके से गोल्फ कोर्स के विभिन्न हिस्से को गोल्फ प्रेमियों के लिए खोला जाएगा।

दो चरणों में पूरा किया जाना था काम

मूल योजना के मुताबिक, गोल्फ कोर्स का निर्माण कार्य दो चरणों में पूरा किया जाना था। पहले चरण में गोल्फ कोर्स की जमीन पर मिट्टी, हरियाली व सिंचाई से जुड़े कार्य होते तथा दूसरे चरण में यहां गोल्फ अकादमी, क्लब हाउस व ड्राईविंग रेंज जैसी अन्य सुविधाओं का विकास होता। क्लब हाउस में जिम, स्विमिंग पूल, रेस्तरां, कान्फ्रेंस हाल सहित अन्य सुविधाएं यहां आने वाले लोगों के लिए उपलब्ध होती। दोनों चरणों के लिए अलग-अलग बजट का प्रावधान था। पहले चरण के बाद दूसरे चरण से जुड़ा कार्य होता। लेकिन अब दोनों चरण से जुड़े कार्य एक साथ कराए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि हम लक्ष्य तक पहुंचने के लिए तेज गति से कार्य कर भी रहे हैं। गोल्फ कोर्स में कायम हरियाली की सिंचाई के लिए यहां पर्याप्त इंतजाम किए हैं। पानी की एक बूंद भी यहां बर्बाद नहीं हो, इसके लिए दो एसटीपी यहां बनाए जा रहे हैं। वर्षा जल संचयन से जुड़े 11 पिट यहां बनाए गए हैं। कुल तीन झील यहां बनाया गया है, जिनमें वर्षा का पानी इकट्ठा होगा। परिसर में कहीं जलभराव की समस्या नहीं हो, इसके लिए यहां नालियों का एक नेटवर्क तैयार किया गया है जहां तेजी से पानी बहकर पिट तक पहुंच जाएगा। इस पानी का इस्तेमाल सिंचाई में होगा। अधिकारियों का कहना है कि वर्षा जल व एसटीपी से इतने पानी की उपलब्धता हो जाएगी कि यहां भूजल के इस्तेमाल की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

क्लब हाउस में कई सुविधाएं

यहां गोल्फ प्रेमियों को क्लब हाउस की भी सुविधा मिलेगी। क्लब हाउस में जिम, रेस्तरां, काफी शाप, बार सहित अनेक सुविधाएं होंगी। वहीं क्लब हाउस के नजदीक ही ड्राइविंग रेंज का पूरा ढांचा अब नजर आने लगा है। स्टील के बड़े बड़े ढांचे दूर से लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इन ढांचों पर नायलान से बनी जाल लगाई जा रही है। गोल्फ क्लब की इमारत का कार्य भी तेज गति से चल रहा है। इसकी दो मंजिलें बनाई जा चुकी हैं। इसी तरह कार्ट पाथ भी नजर आने लगा है।

देशी घास का अधिक इस्तेमाल

डीडीए के एक अधिकारी का कहना है कि गोल्फ कोर्स के लिए आम तौर पर मैक्सिकन घास का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन यहां कोर्स के अधिकतम हिस्से में मैक्सिकन घास के बजाय देशी घास का इस्तेमाल किया गया है। इसकी वजह देश की जलवायु के अनुरूप इस घास का उपयुक्त होना है। जहां विदेशी घास का विकास तीव्र गति से होता है वहीं देशी घास का विकास उतनी तीव्र गति से नहीं होता है। गोल्फ कोर्स में यदि तीव्र गति से घास का विकास हो तो यह गोल्फ खेलने के लिहाज से अच्छा नहीं माना जाता है। इसकी रखरखाव भी आसानी से हो जाती है।

अभी दिल्ली में डीडीए के अधीन दो गोल्फ कोर्स कुतुब गोल्फ कोर्स व भलस्वा गोल्फ कोर्स हैं। इसके अलावा दिल्ली में डा जाकिर हुसैन मार्ग पर दिल्ली गोल्फ कोर्स है। छावला में भी सीमा सुरक्षा बल परिसर में एक गोल्फ कोर्स है। धौलाकुआं में भी दिल्ली छावनी इलाके में एक गोल्फ कोर्स है। द्वारका सेक्टर 24 का गोल्फ कोर्स डीडीए का तीसरा गोल्फ कोर्स होगा।

इंस्टाग्राम पर फंसाकर युवती ने फ्लैट पर मिलने बुलाया... फिर आ गए उसके चार दोस्त, युवक को नंगा कर किया गंदा काम

एक लड़की ने इंस्टाग्राम से बातचीत कर लड़के को अपने जाल में फंसा लिया और उसे मिलने के लिए अपने पते पर बुलाया। युवक लड़की द्वारा शेयर की गई लोकेशन पर जब पहुंचा तो युवती ने एक इमारत में तीसरे फ्लोर पर अपना रूम होने की बात कहते हुए ऊपर चलकर बात करने को कहा। ऊपर जाकर पीड़ित जैसे ही अंदर घुसा तो देखा पूरा फ्लैट खाली था।

नई दिल्ली। पहले एक युवती ने युवक को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू किया, फिर बातचीत कर युवक के बारे में जानकारी जुटाई। युवक के बारे में जानकारी होने पर की उसकी ज्वैलरी की दुकान है। तीन तोले की सोने की चेन खरीदने और पैसे हाथों-हाथ देने की बात कहकर युवक को अपने बताए पते पर डिलीवरी देने के लिए बुलाया।

अपने फ्लैट पर चलकर पैसा देने की कही बात...

वहां पहुंचने पर पीड़ित को अपने फ्लैट पर चलकर पैसा देने की बात कहकर ,वहां पहुंचने पर अपने चार साथियों के साथ मिलकर युवक को मारपीट कर लूट लिया। आरोपितों ने युवक से तीन तौले की चेन, उसके गले में पहनी हुई दो तोले की चेन सहित हाथों की अंगूठियां भी उतार वाली। इस दौरान पीड़ित युवक को नंगा कर उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया।

ATM से रुपये निकालने के बाद मांगे 10 लाख

इतना ही नहीं पीड़ित से दस लाख रुपये की मांग और की साथ ही उसके एटीएम से भी 25 हजार निकाल लिए। घटना के बारे में पुलिस को बताने पर उसका वीडियो पोर्न साइट और सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए आधी रात के बाद घायल अवस्था में युवक को उसकी गाड़ी के पास तक छोड़ा।

वारदात से सदमे में पीड़ित

घटना से सदमे में आए पीड़ित ने वारदात के चार दिन बाद 14 फरवरी की रात वजीराबाद थाने में मामला दर्ज कराया है। बुध विहार इलाके में रहने वाले पीड़ित युवक को छह फरवरी से इंस्टाग्राम पर प्रियांशी नाम की इंस्टाग्राम आइडी से लड़की ने पीड़ित युवक को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू किया।

युवक की फोटो लाइक कर फिर भेजा मैसेज

इसके बाद उसे मैसेज किया युवक ने मैसेज देख अनदेखा किया तो युवती ने युवक की फोटो को लाइक कर फिर से मैसेज भेजा। इस बार युवक ने भी हाय में जवाब दिया। इसके बाद युवती ने युवक से लगातार बात करते हुए उसकी सारी जानकारी जुटा ली। युवक की ज्वैलरी की दुकान है यह जानकर युवती ने तीन तोले की सोने की चेन कितने की आएगी।

इंस्टाग्राम पर कॉल पर दिया झांसा

पीड़ित ने तीन तोले की चेन का दाम 198568 बताया और तीन से चार चेन की फाटो उसे दिखाई। इसके बाद 10 फरवरी दोपहर को युवती ने इंस्टाग्राम पर कॉल करके पीड़ित से कहा कि जो चेन मुझे पसंद आई थी क्या वो मुझे लाकर दे सकते हो।

युवक ने दुकान पर अकेला होने की बात कहकर मना कर दिया और दुकान का पता भेज दिया की आकर ले जाओ। इसके बाद रात को साढे.आठ से नौ के बीच युवती ने दोबारा इंस्टाग्राम पर कॉल करके पूछा की क्या यह चेन वह कैश ऑन डिलीवरी करा सकते हो, पैसे मेर पास है।

इंस्टाग्राम पर नंबर भेजते ही शेयर कर दी लोकेशन

पीड़ित ने पूछा डिलीवरी कहा चाहिए, तो युवती ने संगम विहार में बताते हुए वाट्सएप नंबर मांगा लोकेशन भेजने के लिए। पीड़ित ने इंस्टाग्राम पर अपना नंबर भेजा तो उसे हाय के साथ ही लोकेशन भी युवती ने भेज दी। इसके बाद युवती ने किराये पर रहने और अपनी मां को चेन भेंट करने की बात कहते हुए कई बार कहा तो पीड़ित रात में चेन देने के लिए चला गया।

दिल्ली का बजट फिर क्यों अटका? वित्त मंत्री आतिशी ने बताया देरी का कारण

दिल्ली के बजट के लिए लोगों को और इंतजार करने होगा। विधानसभा बजट का सत्र मार्च के पहले सप्ताह तक बढ़ा दिया गया है। भाजपा विधायकों ने बजट में देरी पर सवाल उठाया तो आतिशी ने कहा कि यह हमारी ओर से देरी है। हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं। आतिशी ने विधानसभा में बताया कि बजट में क्यों देरी हो रही है।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा बजट का सत्र मार्च के पहले सप्ताह तक बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही अब दिल्ली के बजट के लिए लोगों को और इंतजार करने होगा। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने बताया कि बजट को अंतिम रूप देने में बजट में देरी हो रही है।

भाजपा ने देरी पर उठाया सवाल

यह प्रस्ताव विधानसभा द्वारा पारित कर दिया गया। हालांकि विपक्ष के भाजपा विधायकों ने बजट में देरी के कारणों पर सवाल उठाया है। आतिशी ने कहा कि कुछ कारणों से बजट को अंतिम रूप देने में कुछ देरी हुई है। हमें कल दिल्ली के उपराज्यपाल से बजट के लिए मंजूरी मिली है।

आतिशी ने बताया यह कारण

दिल्ली की वित्त मंत्री ने बताया कि आज यानी बृहस्पतिवार को बजट को गृह मंत्रालय से मंजूरी के लिए भेजा गया है। गृह मंत्रालय से मंजूरी और राष्ट्रपति की सहमति के लिए कम से कम 10 से 15 दिन लगेंगे। उन्होंने कहा कि 25 फरवरी को बजट पेश कर पाना हमारे लिए संभव नहीं है। मैं अनुरोध करती हूं कि बजट सत्र को मार्च के पहले सप्ताह तक बढ़ाया जाए।

वहीं, भाजपा विधायकों ने बजट में देरी पर सवाल उठाया तो आतिशी ने कहा कि यह हमारी ओर से देरी है। हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं। बता दें कि विधानसभा का बजट सत्र 15 फरवरी को शुरू हुआ और 21 फरवरी को समाप्त होना था।

योगी शासन में अब गाजियाबाद में भी 'राम सेतु', अखिलेश राज से जुड़ा है कनेक्शन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में अब गाजियाबाद में भी राम सेतु होगा। दरअसल गाजियाबाद नगर निगम ने यहां स्थित एलिवेटेड रोड का नाम बदलने का निर्णय लिया है जिस प्रस्ताव को आज नगर निगम की बैठक में सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। मालूम हो कि इस रोड के बनने की शुरुआत अखिलेश यादव सरकार में हुई थी लेकिन इसका उद्घाटन 2017 में भाजपा सरकार ने किया था।

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में अब गाजियाबाद में भी राम सेतु होगा। गाजियाबाद नगर निगम की कार्यकारिणी की बैठक में बृहस्पतिवार को बड़ा फैसला लिया गया।

इस फैसले से शहर की एक महत्वपूर्ण रोड का नाम बदल जाएगा। इसके लिए कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव भी पास हो गया है।

एलिवेटेड रोड का नाम होगा राम सेतु

दरअसल अब गाजियाबाद के एलिवेटेड रोड को राम सेतू के नाम से जाना जाएगा। इसका प्रस्ताव कार्यकारिणी की बैठक में पास हो गया है। लगभग साढ़े 10 किलोमीटर लंबी यह रोड यूपी बॉर्डर से राजनगर एक्सटेंशन तक जाती है।

निगम की बैठक में प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास

सपा सरकार में शुरू हुआ था निर्माण

यह एलिवेटेड रोड उत्तर प्रदेश में सपा सरकार के दौरान वर्ष 2014 में बननी शुरू हुई थी। इसका उद्घाटन वर्ष 2017 में प्रदेश भाजपा सरकार बनने पर हुआ था।

हजारों लोगों को रोजाना सहूलियत देने वाली यह एलिवेटेड रोड 1147 करोड़ रुपये में बनी थी। इस रोड के नाम बदले का प्रस्ताव महापौर सुनीता दयाल ने रखा था, जिसे कार्यकारिणी ने एकमत से पास किया है।

दूधिया की जान लेने वाले ट्रैवलर चालक ने यातायात नियमों को 12 बार रौंदा, अभी तक नहीं हुआ गिरफ्तार

आठ फरवरी को हुए हादसे के एक सप्ताह बाद भी पुलिस आरोपित चालक को नहीं पकड़ पाई है। जिम्मेदार चौकी इंचार्ज जुनपत यह कहते हुए भी सुने गए कि गाड़ी खड़ी तो है चौकी पर भाग कर कहां जाएगा चालक। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पुलिस ने आरोपित चालक को पकड़ने के लिए कोई प्रयास ही नहीं किया।

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाला दूधिया जयवीर को मौत की नींद सुलाने वाले चालक ने 12 बार यातायात नियमों को रौंदा है। आठ फरवरी को हुए हादसे के एक सप्ताह बाद भी पुलिस आरोपित चालक को नहीं पकड़ पाई है।

एक सप्ताह बाद भी चालक पुलिस की पहुंच से दूर

जिम्मेदार चौकी इंचार्ज जुनपत यह कहते हुए भी सुने गए कि गाड़ी खड़ी तो है चौकी पर, भाग कर कहां जाएगा चालक। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पुलिस ने आरोपित चालक को पकड़ने के लिए कोई प्रयास ही नहीं किया। पुलिस जांच में हीला हवाली कर रही है यही कारण है कि घटना के एक सप्ताह बाद भी चालक पुलिस की पहुंच से दूर है।

दरअसल, बोड़ाकी गांव के रहने वाले जयवीर दूधिया थे। वह घरों में दूध की सप्लाई करते थे। आठ फरवरी की सुबह उनको ट्रैवलर के चालक ने कुचल दिया था। तीन दिन तक अस्पताल में उपचार चलने के बाद उनकी मौत हो गई। ट्रैवलर एक विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को रूट नंबर पांच पर घर से लाने व ले जाने का काम करती थी। यातायात नियमों का 12 बार उल्लंघन करने वाला चालक गाड़ी को दौड़ाता रहा और जिम्मेदार को इसकी भनक तक नहीं लगी। जिस गाड़ी की टक्कर से दूधिया की मौत हुई वह सुजास कुमार के नाम पर पंजीकृत है।

सड़कों पर गहरी हो चुकी भ्रष्टाचार की जड़ें दूधिया की जान लील गई। जिम्मेदार दावा करते है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं है।

इनमें हुए चालान

आरोपित चालक के जो 12 चालान हुए है, उसमें खतरनाक ड्राइविंग भी शामिल है। इसके अलावा पिछले वर्ष परमिट समाप्त होने का चालान भी इसी गाड़ी का हो चुका है। हैरानी की बात यह है कि कार्रवाई सिर्फ चालान तक सीमित रही और अंत में इसी चालक की लापरवाही से दूधिया जयवीर को दुनिया छोड़कर जाना पड़ा।

इस मामले में जांच अधिकारी से रिपोर्ट मंगाकर चालक का डीएल निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जैसे-जैसे मामले संज्ञान में आते है यातायात पुलिस की तरफ से रिपोर्ट परिवहन विभाग को भेजी जाती है।

अनिल यादव, डीसीपी यातायात

इनवर्टर की बैटरी फटने से घर में लगी भीषण आग, डेढ़ घंटे की मशक्कत से बुझाई

गनीमत रही कि जिस वक्त बैटरी फटने के कारण धमाका होने के बाद आग लगी घर के सदस्य उस दौरान घर की छत पर धूप सेंक रहे थे। इस कारण कोई जनहानि नहीं हुई है। सूचना पर सेक्टर 39 कोतवाली पुलिस और दमकल की टीम भी पहुंची लेकिन जबतक टीम पहुंचती उससे पहले ही घर के सदस्यों ने किसी तरह आग बुझा ली थी।

नोएडा। सेक्टर-45 स्थित कांशीराम सोसायटी के एक फ्लैट में बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे इनवर्टर की बैटरी फटने से आग लग गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की चार टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कड़ी मशक्कत कर आग को पूर्णरूप से बुझा लिया।

सीएफओ प्रदीप चौबे का कहना है कि आग सोसायटी के द्वितीय तल पर फ्लैट संख्या-42सी व तृतीय तल पर फ्लैट संख्या-42 डी में लगी थी। फ्लैट में दो एलपीजी सिलेंडर थे, जिन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। आग द्वितीय तल पर इनवर्टर की बैटरी फटने के कारण लगी थी, जिस कारण तृतीय तल तक आग फैल रही थी। आग ने कुछ देर में विकराल रूप ले लिया था। जिसके बाद आग बालकनी के रास्ते फैल गई थी।

पानी निकालकर आग बुझाने का प्रयास

आग की लपट इतनी तेज थी, जब तक दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंचती तीसरे तल के मकान को भी उसने अपनी जद में ले लिया। आग से बालकनी में रखा सारा सामान जल गया। लोगों ने किसी तरह छत पर पहुंचने के बाद वहीं से पानी की टंकी की मदद से पानी निकालकर आग बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद एक-एक करके चार दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और फ्लैट में जीने के रास्ते पाइप को पहुंचाया गया।

'बैंडिट क्वीन' फूलन देवी का बेहमई हत्याकांड 43 साल लगे

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। 14 फरवरी, 1981 का यूपी के कानपुर देहात का चर्चित बेहमई हत्याकांड केस का फैसला 43 साल बाद सामने आने से देश की न्याय व्यवस्था पर सवाल खडे कर कर गया है।

आज से 43 साल पहले बेहमई गांव में दस्यु फूलन देवी और उसके साथियों ने 20 लोगों को लाइन में खडा कर गोलियों से भून डाला था। इसी जघन्य हत्याकांड में कोर्ट का फैसला आया है। मामले में 36 आरोपियों में से फूलन देवी समेत 33 की तो मौत ही हो गई थी। बाकियों में एक आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। एक दूसरे आरोपी को बरी कर दिया गया है।किसी जमाने में खौफ का दूसरा नाम डकैत फूलन देवी थी। हालांकि बाद में वह दो बार मुलायम सिंह की समाजवादी पार्टी से सांसद बन कर ठाठ की जिंदगी जी रही थी। लेकिन फूलन द्वारा मौत के घाट उतारने वाली फूलन देवी को 25 जुलाई, 2001 में 37 साल की उम्र में मरने वाले 20 लोगों के रिश्तेदार शेर सिंह राणा ने दिल्ली में सांसद को आवंटित फ्लेट के गेट पर गोलियों से भून डाला। और 20 लोगों की हत्या करने का बदला ले लिया था। रिपोर्ट के मुताबिक बेहमई मामले में 14 फरवरी को कानपुर देहात की एंटी डकैती कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने आरोपी श्याम बाबू को उम्रकैद की सजा दी और 50000 रूपये जुर्माना भी लगाया है।वहीं विश्वनाथ वारदात के वक्त नाबालिग था। उल्लेखनीय है कि इस कांड में मुख्य आरोपी फूलन देवी समेत 36 आरोपियों में से पहले ही 33 की मौत हो चुकी है। सांसद बनने से पहले तब की मुलायम सिंह सरकार ने फूलन देवी के तमाम केस वापिस ले लिए थे। अब सवाल उठता है कि अदालतों की खूंटी पर टंगे लाखों केस इन्हीं हालातों में आज भी बाट झो रहे हैं। इससे साफ है कि देश की न्याय व्यवस्था पर सवाल उठना वाजिफ है। अब समय है देश की न्याय व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करने की आवश्यकता है। वरना इन हालातों में अदालतों पर से आम आदमी का भरोसा कहीं टूट न जाए। हालांकि साल 1994 में फूलन देवी के जीवन पर आधारित फिल्म बैंडिट क्वीन भी प्रदर्शित हो चुकी है। जिसने पर्दे पर खासी शौहरत पाई थी। तब फिल्म में दिखाई गई बदले की कारवाई को दर्शकों ने सही ठहरा कर अदालतों के द्वारा न्याय पर सवाल खडे कर दिए थे। गांव वालों का आरोप है कि इस जघन्य हत्याकांड की अदालत से केस डायरी तक गायब करवा दी गई। उनका यह भी आरोप है कि प्रशासन, नेताओ से सैंकड़ो बार मारे गए लोगों की विधवाओं को पेंशन लगवा दिजिए। लेकिन किसी ने भी सुनवाई नहीं की। बस इतना जरूर है कि गांव वालों ने ही बेहमई गांव में 20सों मरने वालों का स्मारक बनाकर नाम पट्टी लटका दी है।तब के सीएम अर्जुन सिंह के सामने फूलन देवी ने हथियार डालकर दिए थे।उसके बाद फूलन के खिलाफ लगे तमाम केस को वापिस ले लिया था। बाद में मुलायम की पार्टी से सांसद तक बनवा दिया।

इस कांड में मुख्य आरोपी फूलन देवी समेत 36 आरोपियों में से पहले ही 33 की मौत हो चुकी है। सांसद बनने से पहले तब की मुलायम सिंह सरकार ने फूलन देवी के तमाम केस वापिस ले लिए थे। अब सवाल उठता है कि अदालतों की खूंटी पर टंगे लाखों केस इन्हीं हालातों में आज भी बाट झो रहे हैं। इससे साफ है कि देश की न्याय व्यवस्था पर सवाल उठना वाजिफ है।

नोएडा के व्यावसायिक हब में बनेगा राक गॉर्डन, जानिए इसमें क्या-क्या होगा खास?

अधिकारियों ने बताया कि प्राधिकरण की तरफ से राक गॉर्डन बनाने के लिए विभिन्न आर्किटेक्ट और आर्किटेक्ट कंपनियों से आवेदन मांगे गए हैं। कंपनियों को यह डिजाइन रिपोर्ट दो कलर कापी में देनी होगी। इस योजना को लेकर 16 फरवरी को नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में प्रस्तुतिकरण होगा। अधिकारियों ने बताया कि इसमें वहीं कंपनी आवेदन कर सकती हैं जिनको सात वर्ष का अनुभव हो।

नोएडा। चंडीगढ़ से बेहतर राक गॉर्डन नोएडा के सेक्टर-18 में बनाने की तैयारी है। इसके लिए 16 फरवरी को नोएडा प्राधिकरण में सीईओ डॉ. लोकेश एम के सामने प्रस्तुतिकरण किया जाएगा।

वेस्ट मैटेरियल और कबाड़ बनेगा

राक गॉर्डन में क्या-क्या होगा, यहां के स्कल्पर, लोगों के बैठने और मनोरंजन के साधन, बाहरी आकृति, ले आउट प्लान और लैंड स्केपिंग कैसे होगी, इन सभी को मिलाकर एक डिजाइन तैयार किया जाएगा।

इसी डिजाइन के आधार पर गॉर्डन की डीपीआर को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसे वेस्ट मैटेरियल और कबाड़ से बनाया जाएगा।

जापानी तकनीक का हो सकता है इस्तेमाल

इस गॉर्डन को बहुमंजिला वाहन पार्किंग के पास बनाने पर विचार किया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि राक गॉर्डन में खास तौर से पत्थरों के वेस्ट मैटेरियल का प्रयोग किया जाएगा। यहां पर पहाड़ी लैंड स्केपिंग के तौर पर इसको तैयार किया जाएगा।

इसको जापानी तकनीक पर भी तैयार किए जाने पर विचार किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सेक्टर-18 में इसके लिए जगह देखी गई है, लेकिन अभी यह जगह आधिकारिक रूप से फाइनल नहीं की गई है। कुछ और जगह भी देखी गईं हैं।

ईओआई में आने वाली कंपनी देंगी प्रस्तुतिकरण

एस्प्रेशन आफ इंटरेस्ट (ईओई) में आने वाली कंपनियां जो प्रस्तुतिकरण देंगी, उसके हिसाब से जगह और लागत फाइनल कर दी जाएगी। अधिकारियों ने दावा किया है कि इसको चंडीगढ़ से बेहतर बनाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि प्राधिकरण की तरफ से राक गॉर्डन बनाने के लिए विभिन्न आर्किटेक्ट और आर्किटेक्ट कंपनियों से आवेदन मांगे गए हैं। कंपनियों को यह डिजाइन रिपोर्ट दो कलर कापी में देनी होगी।

इस योजना को लेकर 16 फरवरी को नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में प्रस्तुतिकरण होगा। अधिकारियों ने बताया कि इसमें वहीं कंपनी आवेदन कर सकती हैं, जिनको सात वर्ष का अनुभव हो।

सेक्टर-18 नोएडा का सबसे बड़ा व्यवसायिक केंद्र

नोएडा का सेक्टर-18 जहां इस राक गॉर्डन को बनाने का विचार किया जा रहा है, वो जिले का सबसे बड़ा व्यवसायिक केंद्र है। यहां एम्फीथियेटर भी बनाया गया है। जहां दो हजार से ज्यादा लोग बैठ सकते है। राक गॉर्डन भी इसी का हिस्सा होगा। यहां लेजर शो का आयोजन भी किया जाएगा और लाइव कनसर्ट भी किए जा सकेंगे। ऐसे में सेक्टर-18 आने वाले लोगों के लिए यह मनोरंजन का बेहतर विकल्प होगा।

यह है चंडीगढ़ का राक गॉर्डन

राक गॉर्डन चंडीगढ़ के सेक्टर-1 में बना हुआ है। यह एक शिल्पकृति गॉर्डन अर्थात उद्यान है। इसे नेक चंद राक गॉर्डन के नाम से भी जाना जाता है, जो कि इसके संस्थापक थे। नेक चंद एक सरकारी कर्मचारी थे और उन्होंने वर्ष 1957 में अपने खाली समय में चुपचाप इस गॉर्डन को बनाना शुरू किया था।

यह करीब 40 एकड़ में फैला हुआ है। यह पूरी तरह से औद्योगिक, घरेलू कचरे और छोड़ी गई वस्तुओं से बनाया गया है। जैसे कि बोतल, ग्लास, चूड़ियां, टाइल्स, चीनी मिट्टी के बर्तन, बिजली के कचरे, टूटे पाइप आदि से अलग-अलग कलाकृति बनाई गई हैं। यह गॉर्डन प्रकृति प्रेमियों के लिए भी एक बेहतरीन जगह है।

नदियों व सागर में मिलने वाले पथरीले टुकड़ों को बिना तराशे देते हैं आकृति का रूप

सूरजकुंड मेला: बोल रहे पत्थर, कृतियों से दे रहे बुजुर्गों की सेवा की सीख; पेबल आर्ट को कोने-कोने में पहुंचा रहे

परिवहन विशेष न्यूज

37वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में महाराष्ट्र के परभनी जिला से आए शिल्पकार भगवान पंवार और उनके पुत्र प्रह्लाद पंवार ऐसे ही यह शिल्पकार हैं जो पंचम सदी की प्रचलित पेबल आर्ट (कंकड़ कला) को अपने हुनर के माध्यम से देश के कोने-कोने में पहुंचाकर अपनी पहचान बनाए हुए हैं। प्राचीन काल में पत्थरों को तराशे बिना ही विभिन्न प्रकार की मूर्तियां व कृतियां बनाई जाती थी।

फरीदाबाद। कई बार पत्थर भी बोलते हैं और हमें बड़ी ही खामोशी से बहुत कुछ समझाते हैं। अगर उन्हें कोई आकार दिया जाए तो उसे देखते हुए समझ आ जाएगा कि शिल्पकार अपनी इस कृति से आखिर क्या कहना चाहता है।

37वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में महाराष्ट्र के परभनी जिला से आए शिल्पकार भगवान पंवार और उनके पुत्र प्रह्लाद पंवार ऐसे ही यह शिल्पकार हैं, जो पंचम सदी की प्रचलित पेबल आर्ट (कंकड़ कला) को अपने हुनर के माध्यम से देश के कोने-कोने में पहुंचाकर अपनी पहचान बनाए हुए हैं।

प्राचीन काल में पत्थरों को तराशे बिना ही विभिन्न प्रकार की मूर्तियां व कृतियां बनाई जाती थी। यह दोनों पिता-पुत्र इस कला को जीवंत बनाने में लगे हुए हैं।

नदियों और समुद्र के आसपास जाकर एकत्र करते हैं पत्थर

दोनों पिता-पुत्र गोदावरी नदी, गिरगाव, चौपाटी महाराष्ट्र तथा केरल के कोलमबीच से पत्थरों को एकत्र करते हैं। इसके बाद इन पत्थरों को आकार देने के लिए थीम तय करते हैं।

उदाहरण के तौर पर कदम के पेड़ के पास कृष्ण जी बांसुरी बजा रहे हैं। उनके आसपास गाय आर ग्वालिन भी हैं। ऐसा खाका खींचने के बाद वह एक-एक पत्थर से कृति को आकार देते हैं। कार्ड बोर्ड पर गोंद की मदद से पत्थर चिपका दिए जाते हैं। इन्होंने पत्थर से ऐसी कृति भी बनाई है, जिसमें एक बच्चा बुजुर्ग की ओर सिर झुकाता नजर आ रहा है। देवी-देवताओं की आकृतियां बनाने में भी दोनों निपुण हैं। मेले में देश-विदेश से आए पर्यटकों का ये शिल्पकार अपनी अनोखी कलाकृतियों से ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं।

महिलाएं भी बनीं आत्मनिर्भर

बीएससी कर चुके शिल्पकार प्रहलाद पंवार ने बताया कि पहले वह इस कला को शौकिया किया करते थे। बाद में यही कला रोजगार का जरिया बन गई। अब उनके साथ रुक्मणी पंवार और धर्मपत्नी मोहिनी इसी शिल्पकला से जुड़ गई हैं।

अब वह अपने घर के आसपास की एक दर्जन से अधिक महिलाओं को इस कला से जोड़ कर आत्मनिर्भर बना चुके हैं। इससे महिलाओं का जीवन स्तर सुधर रहा है।

ऐसे पहुंचे यहां

इनका स्टाल नंबर 489 है। मुख्य चौपाल से पिछले हिस्से से जब आप दिल्ली गेट की तरफ बढ़ेंगे तो दाएं ओर इनका स्टॉल है।

ट्रॉनिका सिटी की एक फैक्ट्री में लगी आग, ई रिक्शा के बनते थे पार्ट्स

गाजियाबाद के ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रियल क्षेत्र में वंदे भारत ई व्हीकल्स नामक फैक्ट्री में आग लग गई। मिलते ही लोनी फायर स्टेशन से फायर बिग्रेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। इस फैक्ट्री में मुख्यत ई रिक्शा के फ्रेम और अन्य पार्ट्स पर पेंट करने का कार्य किया जाता है। फैक्ट्री में मानकों के अनुसार अग्निशमन व्यवस्था स्थापित नहीं है।

गाजियाबाद। ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रियल क्षेत्र में वंदे भारत ई व्हीकल्स नामक फैक्ट्री में आग लग गई। मिलते ही लोनी फायर स्टेशन से फायर बिग्रेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। गनीमत रही कि आग की इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इस फैक्ट्री में मुख्यतः ई रिक्शा के फ्रेम और अन्य पार्ट्स पर पेंट करने का कार्य किया जाता है। फैक्ट्री में मानकों के अनुसार अग्निशमन व्यवस्था स्थापित नहीं है। यह भवन और फैक्ट्री मालिक के नाम क्रमशः सुमित आनन्द और सनय गोस्वामी हैं।

कार का ग्राउंड क्लीरियंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये आसान तरीका, ऊबड़-खाबड़ रास्तों में नहीं फंसेगी गाड़ी!

कॉइल सप्रिंग्स की मदद से आप गाड़ी का ग्राउंड क्लीयरेंस बढ़ा सकते हैं। ये असिस्टर्स मूल रूप से कुंडलित पॉलीयूरेथेन का एक टुकड़ा होता है। किसी वाहन का ग्राउंड क्लीयरेंस बढ़ाने का दूसरा तरीका लम्बे टायर और रिम लगाना है। हालांकि सुनिश्चित करें कि टायर फेंडर लाइनिंग को खरोंचना शुरू न कर दे। आइए सभी तरीकों के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। अगर आप कार से ऑफरोडिंग करने का प्लान कर रहे हैं, तो उसका ग्राउंड क्लियरेंस बेहतर होना बहुत जरूरी है। इसके अलावा भारतीय सड़कों पर गाड़ी चलाते समय कई बार कम ऊंचाई होने के कारण वाहन के निचले हिस्से और बंपर को खरोंच लग जाती है। हम आपके लिए इस समस्या का स्थायी समाधान बताने की कोशिश करेंगे। आइए, जान लेते हैं कि कार के ग्राउंड क्लियरेंस को कैसे बढ़ाया जा सकता है।

क्वाइल सप्रिंग की हेल्प लें

कॉइल सप्रिंग्स की मदद से आप गाड़ी का ग्राउंड क्लीयरेंस बढ़ा सकते हैं। ये असिस्टर्स मूल रूप से कुंडलित पॉलीयूरेथेन का एक टुकड़ा होता है, जो क्वाइल सप्रिंग सस्पेंशन के कुंडलियों के बीच में बैठता है। वे सस्पेंशन ट्रैवल की मात्रा को सीमित कर देते हैं, जिससे गड्ढों और स्पीड ब्रेकरों पर नीचे गिरने की संभावना कम हो जाती है।

स्टिफर सस्पेंशन को अपग्रेड करें

यह आपके वाहन के अंडरबेली या बम्पर के छिलने की संभावना को कम करने का सबसे महंगा तरीका है। स्टिफर सस्पेंशन को अपग्रेड करने का मतलब है कि वाहन की ऊपर-नीचे की गति कम हो जाएगी। सस्पेंशन किट पेश करने वाले कुछ ब्रांड टीन, कोनी और बिलस्टीन हैं।

लंबे टायर और रिम फिट करें

किसी वाहन का ग्राउंड क्लीयरेंस बढ़ाने का दूसरा तरीका लम्बे टायर और रिम लगाना है। हालांकि, सुनिश्चित करें कि टायर फेंडर लाइनिंग को खरोंचना शुरू न कर दे। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि रिम्स या अलॉय व्हील आधिकारिक ओईएम से होने चाहिए।

BYD Seal EV इंडियन मार्केट में 5 मार्च को होगी लॉन्च, सिंगल चार्ज पर मिलेगी 700 KM की जबरदस्त रेंज

BYD भारत में अपनी तीसरी इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। BYD Seal EV का डिजाइन ओसियन एक्स कॉन्सेप्ट से प्रभावित है जिसे 2021 में प्रदर्शित किया गया था। लुक के मामले में सील में बूमरैंग-आकार के एलईडी डीआरएल के साथ क्रिस्टल एलईडी हेडलैंप बूट-लिड की पूरी लंबाई में चलने वाली पूर्ण-चौड़ाई वाली एलईडी टेललाइट्स मिलती हैं।

नई दिल्ली। BYD भारत में अपनी तीसरी इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। चाइनीज ईवी दिग्गज अगले महीने 5 मार्च को Seal इलेक्ट्रिक सेडान लॉन्च करेगी। Seal EV भारत के लिए BYD के इलेक्ट्रिक कार लाइनअप में Atto 3 और e6 में शामिल हो जाएगी। BYD Seal EV को पहली बार पिछले साल जनवरी में आयोजित ऑटो एक्सपो के दौरान प्रदर्शित किया गया था। पहले इसे त्योहारी सीजन के दौरान लॉन्च किया जाना था, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया।

BYD Seal EV में क्या खास?

BYD Seal EV पहले से ही वैश्विक बाजारों में बिक्री पर है, जहां ये Tesla Model 3 को टक्कर देती है। सील ईवी की लंबाई 4,800 मिमी, चौड़ाई 1,875 मिमी और ऊंचाई 1,460 मिमी है। ये इलेक्ट्रिक कार ईवी निर्माता के डेडिकेटेड ई-प्लेटफॉर्म 3.0 पर आधारित है।

डिजाइन

BYD Seal EV का डिजाइन ओसियन एक्स कॉन्सेप्ट से प्रभावित है, जिसे 2021 में प्रदर्शित किया गया था। लुक के मामले में सील में बूमरैंग-आकार के एलईडी डीआरएल के साथ क्रिस्टल एलईडी हेडलैंप, बूट-लिड की पूरी लंबाई में चलने वाली पूर्ण-चौड़ाई वाली एलईडी टेललाइट्स मिलती हैं।

इंटीरियर

इंटीरियर की बात करें, तो सील प्रीमियम लुक और सॉफ्ट-टच मैटेरियल के साथ आती है। डैशबोर्ड पर 15.6 इंच का रोटेटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है, जैसा कि Atto 3 के अंदर देखा गया है। इसे 10.25 इंच की डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले दी गई है। अन्य विशेषताओं में एक हेड-अप डिस्प्ले और दो वायरलेस चार्जिंग पैड शामिल हैं।

बैटरी, रेंज और स्पेसिफिकेशन

BYD Seal EV निर्माता की ब्लेड बैटरी तकनीक से लैस है। वैश्विक बाजारों में इसे दो बैटरी विकल्पों के साथ पेश किया गया है। इसमें 61.4 kWh की बैटरी है, जो एक बार चार्ज करने पर 550 किलोमीटर की रेंज देती है। बड़ी 82.5 kWh यूनिट एक बार चार्ज करने पर 700 किलोमीटर (CLTC) तक चलती है। BYD बड़े पैक के साथ 150 किलोवाट तक की फास्ट चार्जिंग कैपेसिटी भी प्रदान करता है, जबकि छोटा पैक 110 किलोवाट तक के फास्ट चार्जर के साथ आता है।

इंडियन मार्केट में धूम मचाएंगी ये 5 एडवेंचर बाइक्स, केटीएम से लेकर TVS लिस्ट में शामिल

इंडियन ऑटोमेकर द्वारा घरेलू बाजार के अंदर Royal Enfield Himalayan 450 KTM 390 Adventure 250 Adventure और Hero Xpulse 200 जैसी Adventure Bikes पेश की जाएंगी। नई पीढ़ी की KTM 390 Adventure के 2024 के अंत तक लॉन्च होने की उम्मीद है। वहीं हीरो की फ्लैगशिप बाइक Xpulse 400 लंबे समय से डेवलप की जा रही है और इसके टेस्टिंग प्रोटोटाइप को देश भर में कई बार देखा गया है।

नई दिल्ली। भारत में एडवेंचर बाइक की बढ़ती लोकप्रियता पर भरोसा करते हुए, दोपहिया वाहन निर्माता घरेलू बाजार में नए मॉडल पेश करने के लिए एक्टिवली काम कर रहे हैं। इंडियन ऑटोमेकर द्वारा घरेलू बाजार के अंदर Royal Enfield Himalayan 450, KTM 390 Adventure, 250 Adventure और Hero Xpulse 200 जैसी Adventure Bikes पेश की जाएंगी। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

विदेशी बाजार में होंडा द्वारा दायर एक डिजाइन पेटेंट से पता चला है, CB350 पर आधारित एक नई एडवेंचर बाइक पर काम चल रहा है। डिजाइन के मामले में यह कुछ हद तक पुरानी RE Himalayan 411 जैसी दिखती है। उम्मीद है कि ये CB350 के साथ अंडरपिनिंग और पावरट्रेन साझा करेगी।

नई पीढ़ी की KTM 390 Adventure के 2024 के अंत तक लॉन्च होने की उम्मीद है। ये नए LC4c 399cc सिंगल सिलेंडर लिक्विड कूल्ड इंजन द्वारा संचालित होगी, जो 45.3 bhp और 39 Nm का पीक टॉर्क आउटपुट देगा।

TVS Apache RTX ADV

TVS ने पिछले साल 2023 में भारतीय बाजार में Apache RTX नाम के लिए एक ट्रेडमार्क दायर किया, जिससे मौजूदा 310cc प्लेटफॉर्म पर आधारित एक नई एडवेंचर मोटरसाइकिल के लॉन्च की खबर सामने आई। इस नए TVS ADV के मैकेनिकल फीचर्स BMW G310 GS के साथ साझा किए जाने की उम्मीद है।

Hero Xpulse 400 और Xpulse 210

हीरो की फ्लैगशिप बाइक Xpulse 400 लंबे समय से डेवलप की जा रही है और इसके टेस्टिंग प्रोटोटाइप को देश भर में कई बार देखा गया है। इसी तरह Xpulse 210 भी लॉन्च की जाएगी, जो मौजूदा एक्सपल्स 200 की जगह लेगी। इसमें Karizma XMR का 210cc लिक्विड-कूल्ड इंजन इस्तेमाल किया जाएगा।

Hyundai के Ultra-Fast EV Chargers से 21 मिनट में 80% चार्ज होगी इलेक्ट्रिक कार! कंपनी ने लगाए 11 नए स्टेशन

Hyundai Motor India ने जो 11 ultra-fast EV chargers लगाए हैं उनमें से 6 नए चार्जिंग स्टेशन मुंबई पुणे अहमदाबाद हैदराबाद गुरुग्राम और बैंगलोर जैसे प्रमुख शहरों में स्थित हैं। अन्य पांच स्टेशन रणनीतिक रूप से दिल्ली-चंडीगढ़ दिल्ली-जयपुर हैदराबाद-विजयवाड़ा मुंबई-सूरत और मुंबई-नासिक जैसे प्रमुख राजमार्गों पर लगाए गए हैं। IONIQ 5 को इन चार्जर का उपयोग करके केवल 21 मिनट में 10% से 80% तक चार्ज किया जा सकता है।

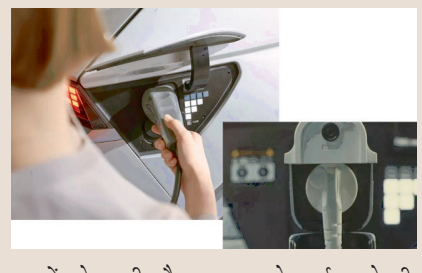

नई दिल्ली। Hyundai Motor India देश भर में इलेक्ट्रिक वाहनों को और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रही है। कंपनी ने हाल ही में अपने अल्ट्रा-फास्ट ईवी चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार किया है, विभिन्न शहरों और प्रमुख राजमार्गों पर 11 नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं। आइए,इनके बारे में जान लेते हैं।

किन जगहों पर लगे चार्जर?

Hyundai Motor India ने जो 11 ultra-fast EV chargers लगाए हैं, उनमें से 6 नए चार्जिंग स्टेशन मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, हैदराबाद, गुरुग्राम और बैंगलोर जैसे प्रमुख शहरों में स्थित हैं। अन्य पांच स्टेशन रणनीतिक रूप से दिल्ली-चंडीगढ़, दिल्ली-जयपुर, हैदराबाद-विजयवाड़ा, मुंबई-सूरत और मुंबई-नासिक जैसे प्रमुख राजमार्गों पर लगाए गए हैं।

मिनटों में चार्ज होगी EV

ये अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन ग्राहकों को अपने वाहनों को जल्दी और कुशलता से चार्ज करने की अनुमति देते हैं। उदाहरण के लिए, हुंडई के इलेक्ट्रिक वाहन मॉडलों में से एक Hyundai IONIQ 5 को इन चार्जर का उपयोग करके केवल 21 मिनट में 10% से 80% तक चार्ज किया जा सकता है।

24/7 मिलेगी सुविधा

ये चार्जिंग स्टेशन इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को शहरों के भीतर और लंबी दूरी की यात्रा के लिए त्वरित और सुविधाजनक चार्जिंग विकल्प प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इनमें से अधिकतर फास्ट चार्जर 24/7 खुले रहेंगे।

MyHyundai App आएगा काम

ग्राहक चार्जिंग स्टेशन खोजने, उन तक नेविगेट करने, चार्जिंग स्लॉट प्री-बुक करने, डिजिटल भुगतान करने और चार्जिंग स्थिति की निगरानी करने के लिए MyHyundai एप का उपयोग कर सकते हैं। हुंडई ने 2024 में अपने अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग नेटवर्क को 10 या अधिक नए स्थानों पर विस्तारित करने की योजना बनाई है। इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौते के हिस्से के रूप में हुंडई का लक्ष्य 2027 तक 100 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का है।

आने वाली डीजल्स कारें : भारतीय बाजार में जल्द लॉन्च होंगी ये डीजल कारें, टाटा कवर्स से न्यू किया कार्निवाल तक

Tata और Kia जैसी कार कंपनियां निकट भविष्य में डीजल कारें भी लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। टाटा मोटर्स इस साल के अंत में भारतीय बाजार के अंदर Curvv SUV Coupe का आईसीई संस्करण पेश करेगी। वहीं Kia ने पुष्टि की है कि नई पीढ़ी की कार्निवल एमपीवी को 2024 में भारतीय बाजार के अंदर लॉन्च किया जाएगा।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। लगाता बढ़ रहे फ्यूल्स के दाम और सख्त एमीशन नॉर्म के चलते इंडियन कारमेकर्स ने डीजल से चलने वाले वाहनों को घरेलू बाजार में पेश करना बंद कर दिया है। देश की प्रमुख कार कंपनियां मौजूदा समय में EVs, Hybrid और Petrol Cars पर फोकस कर रही हैं।

हालांकि, Tata और Kia जैसी कार कंपनियां निकट भविष्य में डीजल कारें भी लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। आइए, अपने इस लेख में 5 अपकमिंग डीजल कारों के बारे में जान लेते हैं।

Tata Curvv

टाटा मोटर्स इस साल के अंत में भारतीय बाजार के अंदर Curvv SUV Coupe का आईसीई संस्करण पेश करेगी। 2024 भारत मोबिलिटी शो में टाटा मोटर्स ने कर्व एसयूवी का डीजल वर्जन शोकेस किया था। इसमें 1.5-लीटर 4-सिलेंडर टर्बो डीजल इंजन होगा,जो 115PS और 250Nm का टॉर्क पैदा करता है।

ये एक इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ भी आएगा, जिसकी एक बार चार्ज करने पर 500 किमी तक की अपेक्षित रेंज होगी।

Mahinra Thar 5-Door

घरेलू यूवी निर्माता, महिंद्रा 2024 के मध्य में अधिक व्यावहारिक और फीचर-लोडेड 5-डोर थार लाइफस्टाइल एसयूवी पेश करेगी। नई 5-डोर महिंद्रा थार उसी लैडर-फ्रेम चेसिस पर आधारित होगी, जो स्कॉर्पियो-एन पर बेस्ड है।

इसमें 200bhp, 2.0L टर्बो पेट्रोल और 172bhp, 2.2-लीटर डीजल इंजन होगा। ट्रांसमिशन विकल्पों में 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर ऑटोमैटिक शामिल होगा। लाइफस्टाइल ऑफ-रोड एसयूवी के 4×2 या 4×4 ड्राइवट्रेन विकल्पों के साथ आने की उम्मीद है।

Mahindra XUV300 Facelift

महिंद्रा जल्द ही भारतीय बाजार में अपडेटेड XUV300 सब-4 मीटर एसयूवी पेश करेगी। नई एसयूवी में महत्वपूर्ण डिजाइन परिवर्तन और एक बिल्कुल नया फीचर-लोडेड इंटीरियर मिलेगा। इसमें एक बिल्कुल नया डैशबोर्ड लेआउट मिलेगा, जिसमें एक बड़ा 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट यूनिट और 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल होगा।

ये एसयूवी मौजूदा इंजन विकल्पों को बरकरार रखेंगी। इसमें एक 1.5-लीटर डीजल, एक 1.2-लाइट टर्बो पेट्रोल और एक 1.2-लीटर डायरेक्ट इंजेक्शन टर्बो पेट्रोल (टीजीडीआई) यूनिट शामिल है।

New Gen Kia Carnival

कोरियाई वाहन निर्माता, किआ ने पुष्टि की है कि नई पीढ़ी की कार्निवल एमपीवी 2024 में हमारे बाजार में लॉन्च की जाएगी। ये 2.2-लीटर टर्बो डीजल इंजन द्वारा संचालित होगी, जो 200bhp और 440Nm टॉर्क के लिए अच्छा है। ट्रांसमिशन ड्यूटी को 8-स्पीड स्पोर्ट्समैटिक एटी गियरबॉक्स द्वारा कंट्रोल किया जाएगा।

Hyundai Alcazar Facelift

अपडेटेड क्रेटा लॉन्च करने के बाद, हुंडई अब भारतीय बाजार के लिए अल्कजार फेसलिफ्ट तैयार कर रही है। नए मॉडल में क्रेटा फेसलिफ्ट के साथ डिजाइन संकेत और इंटीरियर साझा होने की संभावना है। ये काफी अपडेटेड डैशबोर्ड लेआउट के साथ आएगी, जिसमें टचस्क्रीन और इंस्ट्रूमेंट कंसोल के लिए ट्विन स्क्रीन लेआउट होगा।

Alcazar फेसलिफ्ट को समान इंजन विकल्पों के साथ पेश किया जाएगा जिसमें 1.5-लीटर टर्बो-डीजल और 2.0-लीटर NA पेट्रोल इंजन शामिल है। एसयूवी में 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन भी मिलेगा।

जीवन की दौड़

पी.के. खुराना

कभी ध्यान से सोचकर देखिए कि हमारा जीवन कैसा है। पैदा होना, स्कूल-कालेज जाना, जॉब में या बिजनेस में पड़ जाना, गृहस्थी जमाना, बच्चों की फिक्र करना, बूढ़े होना और' और मर जाना ! पर, क्या यही जीवन है? क्या यही होना चाहिए हमारा जीवन? साठ की उम्र पार कर चुके किसी व्यक्ति से पूछिए कि उन्होंने जीवन में क्या किया तो वो कुछ मिनट बोल कर चुप हो जाएंगे, इससे ज्यादा कुछ बता नहीं पाएंगे।

उनकी क्लास के कुछ बच्चे स्कूल के बाद ट्यूशन पढने चले जाते हैं, कुछ बच्चे डे-केयर सेंटर में चले जाते हैं और स्कूल में जितना समय बिताते हैं, उतना अपने मां-बाप के साथ भी नहीं बिता पाते। वे अलग-अलग बच्चों का, उनके स्वभाव का, उनकी खूबियों का और उनकी समस्याओं का आकलन करती हैं। यही नहीं, पेरेंट-टीचर मीट के समय बच्चों के मां-बाप के साथ घुलमिल कर बच्चों के बारे में और जानकारी लेकर सभी बच्चों की जरूरतों के मुताबिक उन्हें हमेशा मार्गदर्शन देती हैं और प्रोत्साहित करती रहती हैं। यह एक ऐसा उदाहरण है जो हमें सिखाता है कि हम छोटे से छोटे काम को भी बड़ा और सार्थक बना सकते हैं। ऐसा करें तो जीवन की दौड़ सुखमय हो जाएगी और हम निश्चित ही जीवन का पूरा आनंद ले सकेंगे'

कभी ध्यान से सोचकर देखिए कि हमारा जीवन कैसा है। पैदा होना, स्कूल-कालेज जाना, जॉब में या बिजनेस में पड़ जाना, गृहस्थी जमाना, बच्चों की फिक्र करना, बूढ़े होना और' और मर जाना ! पर, क्या यही जीवन है? क्या यही होना चाहिए हमारा जीवन? साठ की उम्र पार कर चुके किसी व्यक्ति से पूछिए कि उन्होंने जीवन में क्या किया तो वो कुछ मिनट बोल कर चुप हो जाएंगे, इससे ज्यादा कुछ बता नहीं पाएंगे। इतना अर्थहीन है हमारा जीवन ! हम जीवन की दौड़ में उलझे हुए हैं। हर तरफ भागमभाग है, चिंता है, ईष्या है, क्रोध है, घृणा है, चुनौतियां हैं, समस्याएं हैं, अशांति है। सुख, चैन, शांति का अभाव है। अमीरी है, समृद्धि है, पैसा है, पर चैन नहीं है। कहीं न कहीं अधूरापन है, बेचैनी है और अशांति है। क्यों है ऐसा? अगर हम थोड़ा गहराई से देखें तो हमें एक ही व्यक्ति दुखी कर रहा है, और वो है हमारा पड़ोसी। हमारा वो पड़ोसी, वो दोस्त, वो जानकार, वो रिश्तेदार, या वो दुश्मन जो हमसे दो कदम आगे है, जिसका घर हमारे घर से बड़ा है, जिसकी गाड़ी हमारी गाड़ी से बड़ी है। हम उसके सुख से दुखी हैं। इस तुलना ने हमें दुखी कर रखा है। एक ज्यादा बड़ा घर या ज्यादा बड़ी गाड़ी लेने के लिए हम भागदौड़ में लगे हैं। खुद को दुखी किए जा रहे हैं, परेशान हुए जा रहे हैं। इस भागदौड़ में हम भूल गए हैं कि हमारे पास इतनी नेमतें हैं जिनका आनंद लें तो हमारा जीवन खुशियों से भर जाए।

हमारे पास जो नेमतें हैं इनको पहचानें तो जीवन में ठंडी बयार हो, सुगंध हो, शांति हो, प्यार हो, सुख हो, चैन हो। पर हम तो तैयार ही नहीं अपने मन की जलन छोडने को। हमारे दुख का, बेचैनी का, अशांति का कारण इतना-

सा ही है। मेरे एक मित्र सवेरे-सवेरे जॉगिंग किया करते थे। वे एक ही रूट पर चलते थे हमेशा। सालों से वे उसी सडक़ पर 5 मील की दौड़ लगाते थे और फिर वापस आ जाते थे। एक दिन मैंने उनसे उसी सडक़ के किनारे की एक बिल्डिंग के बारे में कुछ जानना चाहा तो पता चला कि उन्हें ये ही नहीं पता था कि ऐसी कोई बिल्डिंग रास्ते में है। वो बिल्डिंग एक बड़ा सरकारी आफिस था। वो कई सालों से उस सडक़ पर जॉगिंग कर रहे थे, पर इतनी फुर्सत नहीं थी कि सडक़ के किनारे के भवनों की कोई जानकारी ले सकें, रास्ते में पडने वाले बाग-बगीचों का आनंद ले सकें। बस दौड़ते जाना है और दौड़ते ही वापस आ जाना है। जीवन एक अर्थहीन दौड़ बनकर रह गया है हमारा। मेरे एक अन्य मित्र हैं जिन्होंने शेयर मार्केट में पैसा लगा रखा है। उन्होंने लाखों रुपए का निवेश किया है शेयर मार्केट में। शेयर मार्केट के उतार-चढ़ाव में एक बार तो ऐसा वक्त भी आया जब मार्केट इतनी गिरी कि उनके शेयरों की मार्केट वैल्यू उनके असल निवेश से भी कम हो गई। यह एक संयोग ही था कि उसी दिन मेरी उनसे बात भी हुई तो उन्होंने जो बात कही वो एक बहुत बड़ा सबक है। उन्होंने कहा कि शेयर मार्केट में आज उन्हें तगड़ा घाटा हुआ है। यहां वही जीत सकता है जिसमें सब्र हो, और ये कितनी अच्छी बात है कि शेयर मार्केट हमें सब्र करना सिखाती है। कितनी गहरी बात है ये ! जिस व्यक्ति ने अपनी बचत का एक बड़ा हिस्सा शेयर मार्केट में लगाया था, आज उन्हें बड़ा घाटा हुआ था और वो बड़े इत्मीनान से कह रहे थे कि शेयर मार्केट आदमी को सब्र करना सिखाता है। हम सब चाहते हैं कि हम सुखी रहें, खुश रहें और शांतिपूर्ण जीवन बिता सकें, लेकिन हम अक्सर सुख और खुशी के अंतर को भूल जाते हैं और इसी कारण से जीवन भर अशांत रहते हैं।

कोई व्यक्ति एक महल जैसे घर में एक बहुत नर्म मखमली बिस्तर पर आराम करते हुए भी दुखी हो सकता है और कोई दूसरा व्यक्ति किसी झोंपड़ी में बैठ कर भी आनंद के गीत गा रहा हो सकता है। पैसा सुख तो दे सकता है, लेकिन खुशी का स्रोत पैसा नहीं है। पैसा आने से मिलने वाली खुशी अस्थायी है, खुशी के लिए मन की शांति चाहिए, जीवन में संतोष चाहिए, अच्छे-मीठे रिश्ते चाहिएं और खुद पर ऐसा नियंत्रण चाहिए कि हम हर छोटी-बड़ी बात से उद्विग्न होना छोड़ दें। जीवन की बहुत सी जरूरतें पैसे से पूरी होती हैं, इसलिए यह कहना गलत होगा कि पैसा कमाना छोड़ दिया जाए। पैसा कमाने के लिए मेहनत करना, नए हुनर सीखना, अपनी काबलियत बढ़ाना, ताजा रुझानों की जानकारी रखना, नई सूचनाओं के प्रति जागरूक रहना जरूरी है। पैसा कमाना गलत नहीं है, पर पैसे को ही जीवन का एकमात्र उद्देश्य बना लेना गलत है। यह ध्यान रखना जरूरी है कि हम सफल हों, पर सफलता के चक्कर में घुन बनकर पिस न जाएं। सफलता के चक्कर में सेहत न गंवा दें, सफलता के चक्कर में खुशियों से महरूम न हो जाएं, सफलता के कारण इतना अहंकारी या ईगोइस्टिक न हो जाएं कि हमारे रिश्ते ही खराब हो जाएं, और सफलता के कारण हमें इतना गुमान न हो जाए कि हम नियंत्रण से बाहर होकर अनाप-शनाप काम करने लग जाएं, अनैतिक काम करने लग जाएं, गैरकानूनी काम करने लग जाएं और कभी जेल जाने की नौबत आ जाए। मंत्र यही है कि जिंदगी की दौड़ सुख के लिए हो, पर खुशी को भूलकर नहीं। किसी व्यक्ति को अपनी किसी उपलब्धि के लिए अगर कोई सम्मान मिल जाए, पुरस्कार मिल जाए तो समाज में उनका रुतबा बढ़ जाता है। उनकी कही बात को लोग ज्यादा ध्यान से सुनने लगते हैं। मैंने जब गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया तो उद्देश्य यही था कि ज्ञान का जो दीपक मैंने जलाया है, उसका प्रकाश ज्यादा दूर तक फैले, ज्यादा लोगों का भला हो, ज्यादा लोगों का जीवन सुखी हो सके।

मुझे संतोष है कि एक स्पिरिचुअल हीलर के रूप में मैं बहुत से लोगों को मार्गदर्शन दे पा रहा हूं, बहुत से लोगों का जीवन संवार पा रहा हूं। दुनिया का कोई ऐसा काम नहीं है जिसे हम चाहें तो बड़ा न बना सकें। मेरे एक मित्र की धर्मपत्नी एक महंगे प्राइवेट स्कूल में अध्यापक हैं और छोटे बच्चों की क्लास लेती हैं। बच्चों के माता-पिता अमीर हैं, पर व्यस्त हैं। उनकी क्लास के कुछ बच्चे स्कूल के बाद ट्यूशन पढने चले जाते हैं, कुछ बच्चे डे-केयर सेंटर में चले जाते हैं और स्कूल में जितना समय बिताते हैं, उतना अपने मां-बाप के साथ भी नहीं बिता पाते। वे अलग-अलग बच्चों का, उनके स्वभाव का, उनकी खूबियों का और उनकी समस्याओं का आकलन करती हैं। यही नहीं, पेरेंट-टीचर मीट के समय बच्चों के मां-बाप के साथ घुलमिल कर बच्चों के बारे में और जानकारी लेकर सभी बच्चों की जरूरतों के मुताबिक उन्हें हमेशा मार्गदर्शन देती हैं और प्रोत्साहित करती रहती हैं। यह एक ऐसा उदाहरण है जो हमें सिखाता है कि हम छोटे से छोटे काम को भी बड़ा और सार्थक बना सकते हैं। ऐसा करें तो जीवन की दौड़ सुखमय हो जाएगी और हम निश्चित ही जीवन का पूरा आनंद ले सकेंगे।

संपादक की कलम से

किसान मांगों के वित्तीय आयाम

यह किसान आंदोलन नहीं, हिंसक टकराव लगता है। चूंकि 2500 ट्रैरक्टर और अन्य निजी गाडियां पंजाब से रवाना हुई थीं। वे दिल्ली जाने पर आमादा हैं। ऐसे में हालात हिंसक होना स्वाभाविक है। सुरक्षा बलों और पुलिस को ड्रोन से आंसू गैस के गोले दागने पड़े, क्योंकि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार का दायित्व है। किसानों को खदेडना पड़ा, तो पलट कर उन्होंने जमकर पथराव किया। शंभु बॉर्डर पर इस टकराव में 100 से अधिक किसान घायल हुए और 50 से ज्यादा बेहोश हुए, जबकि अंबाला के डीएसपी समेत 21 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए। क्या ऐसे आंदोलन से किसानों की समस्याएं हल हो सकती हैं? मांगें मानी जा सकती हैं? दरअसल किसानों की मांगें वित्तीय और बजटीय अधिक हैं, लिहाजा आज हम उन्हीं आयामों का विश्लेषण करेंगे। सवाल है कि जब स्वामीनाथन आयोग ने नवंबर, 2006 तक अपनी छह रपटें भारत सरकार को सौंप दी थीं, तो उन्हें लागू क्यों नहीं किया गया? क्योंकि डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार जानती थी कि रपट के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय किया गया, तो वित्तीय स्थिरता डगमगा सकती है और खाद्य मुद्रास्फीति 25-30 फीसदी तक बढ़ सकती है। क्या किसान देश में ऐसे आर्थिक हालात चाहते हैं? प्रख्यात कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी का आकलन भी यही है। उनका कहना है कि मनमोहन सिंह सरीखे अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री एमएसपी गारंटी कानून का रास्ता नहीं अपनाएंगे, लिहाजा सरकार ने उन रपटों को लागू नहीं किया। यह आकलन भी है कि यदि सरकार को एमएसपी गारंटी पर ही 22-23 फसलों की खरीद करनी पड़े, तो उसे कमोबेश 10 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। यह राशि देश के आधारभूत ढांचे के लिए तय बजट के लगभग बराबर है। हमारा कुल खर्च बजट करीब 45 लाख करोड़ रुपए का है। यदि इसका एक-चौथाई हिस्सा फसलों की खरीद पर ही खर्च किया जाता है, तो अन्य विकास परियोजनाओं का क्या होगा? मौजूदा सरकार ने अपने 10-साला कार्यकाल के दौरान 18.40 लाख करोड़ रुपए के एमएसपी बढ़ाए हैं। जाहिर है कि किसानों की फसलें बेहतर दाम पर बिक रही हैं। यदि उन्हें कम दाम मिलते हैं अथवा मंडियों में आढ़तियों के गिरोह किसान का आर्थिक शोषण करते हैं, तो वह खुले बाजार की व्यवस्था को स्वीकार क्यों नहीं करता? भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियां 2.28 लाख करोड़ रुपए सालाना की फसलें खरीदती हैं, जबकि यूपीए सरकार के दौरान 1.06 लाख करोड़ रुपए की फसलों की खरीद ही की जाती थी। बहरहाल आंदोलित किसानों की मांगें सिर्फ एमएसपी गारंटी कानून तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आग्रह कर रहे हैं कि भारत 'विश्व व्यापार संगठन' से बाहर आ जाए। उसके साथ समझौते को रद्द कर दे। यह कैसे संभव है? भारत ने यूपीए सरकार के दौरान इस संगठन के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। कल किसान कहेंगे कि अमुक देश के साथ कारोबार करना या नहीं करना है। वे अनाप-शनाप आग्रह कर सकते हैं। उन्हें मानना कैसे संभव है? इसके अलावा, किसान 10,000 रुपए माहवार की पेंशन और फसल बीमा की किस्त का सरकार द्वारा ही भुगतान की मांग भी कर रहे हैं। देश के अन्य समुदाय, पेशेवर और उद्यमी भी ऐसी मांगों को लेकर आंदोलन करेंगे। देश की सरकार क्या करेगी और बजट कहां से लाएगी? सिर्फ किसानों के लिए देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद नहीं की जा सकती।

राय

खेलों को नई दिशा

खेल की चर्चा में हिमाचल का आना, एक सतत प्रयास का नतीजा है, जिसे पिछली कुछ सरकारों, खास तौर पर प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व काल से हम पनपता हुआ देख सकते हैं। यह इसलिए क्योंकि पहली बार व्यापक स्तर पर विभिन्न खेलों से संबंधित प्रशिक्षकों को उनकी सरकार ने नियुक्ति देकर एक माहौल बनाया था। बहरहाल वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी आगामी बजट के माध्यम से खेलों के प्रति अपनी दृष्टि रखने जा रहे हैं और इसका उल्लेख करते हुए वह खेल नीति को और व्यावहारिक, परिणाममूलक व भविष्यगामी बनाने का आश्वासन देते हैं। हालांकि खेलों को स्तरोन्नत तथा खिलाडियों के भविष्य के प्रति चिंताएं तो पूर्व सरकारों ने भी प्रकट कीं, लेकिन लिफाफों में ये मजमून बंद होकर रह गए। पिछली जयराम सरकार के खेल मंत्री राकेश पठानिया ने नीतिगत निर्णयों का जाम पीया, लेकिन वह सिर्फ नूरपुर के आधे-अधूरे खेल स्टेडियम की परिक्रमा ही करते देखे गए। दरअसल खेलों का शिखर उस नर्सरी में तलाश किया जाना चाहिए, जो छोटे बच्चों की प्रतिभा से संपन्न हो। पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल व मणिपुर जैसे राज्यों ने टेलेंट सर्च के तहत निष्पक्षता से खिलाड़ी चुने और बेहतर प्रशिक्षण व सुविधाएं प्रदान कीं। खेलों के प्रति राज्य के सरोकार पैदा करने में हरियाणा व पंजाब के उदाहरण हमारे सामने हैं। बेशक राज्य के कुछ खेल छात्रावासों और खासकर राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण के केंद्रों के कारण हमारा टेलेंट भी कुछ हद तक बाहर आया है, लेकिन ग्रामीण व स्कूली खेलों को आगे बढ़ाने के प्रयत्न के बराबर हुए।

इस दौरान कुछ खेल प्रशिक्षकों के कारण बच्चे आगे बढ़े और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कबड्डी, हॉकी, वालीबॉल, हैंडबाल और एथलेटिक्स में संभावना दिखी। हमें मणिपुर जैसे राज्य से सीखना होगा कि किस तरह वहां की अनुकूल आबोहवा को खेलों में तराशा गया। हिमाचल की विशेष भौगोलिक व जलवायु की परिस्थितियों में अगर प्रतिभा को उपयुक्त प्रशिक्षण मिले तो यह प्रदेश भी कुछ खेलों में आगे बढक़र राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पदकों की टोली में शरीक हो सकता है, लेकिन हमारी शिक्षा-हमारे शिक्षण संस्थान तथा बच्चों की परवरिश अब खेल विरोधी है। खेलों की बात अगर कठिन है, तो भी सामान्य कसरतों से हम बच्चों का बाल्यकाल छीन रहे हैं। हिमाचल के निजी स्कूलों में पढ़ाई के अर्थ ने खेल का मैदान अति छोटा कर दिया है। सरकार को परीक्षा परिणाम के साथ खेलों के परिणाम में भी स्कूलों के लक्ष्य निर्धारित करने चाहिएं, ताकि व्यक्तित्व विकास की शाखा में बच्चों का नजरिया बदले। हैरानी यह कि स्कूली गतिविधियों में अब खेल या खिलाड़ी हैं ही नहीं। उधर प्रदेश के पांच सरकारी विश्वविद्यालयों से खेल का पन्ना गायब है। गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अपने समर कैंप कई बार हिमाचल में लगाकर साइकिलिंग, एथलेटिक्स और वाटर स्पोर्ट्स को तरजीह देता है। हिमाचल अगर नगरोटा सूरियां व बिलासपुर के कालेजों में वाटर स्पोर्ट्स के विंग खोल दे, तो पौंग व गोविंद सागर जैसे जलाशय हमारी प्रतिभा का उत्थान जल क्रीड़ाओं के माध्यम से कर सकते हैं। निस्संदेह सांसद अनुराग ठाकुर ने क्रिकेट के जरिए हिमाचल को एक समृद्ध ढांचा, परिकल्पना व प्रतिभा को मौका दिया और जिसका असर दिखाई देता है, लेकिन बतौर खेल मंत्री वह अब तक हमीरपुर में एक्सीलेंस सेंटर व धर्मशाला में हाई आल्टीट्यूट खेल प्रशिक्षण केंद्र को घोषणा से आगे नहीं बढ़ा पाए। अगर प्रदेश की सरकारें व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर मिल कर हिमाचल में राष्ट्रीय खेलों का महाकुंभ भी सजा पाते, तो एक साथ ऊना, हमीरपुर, मंडी, कांगड़ा, बिलासपुर, सोलन व पौंग तथा भाखड़ा बांध में अनेक खेलों का ढांचा विकसित हो जाता। हिमाचल की खेल नीति को अपनी जड़ें स्कूलों, ग्रामीण खेलों तथा प्राकृतिक संभावनाओं में खोजनी चाहिएं। तमाम पारंपरिक खेल मैदानों का संरक्षण और संवर्धन न किया, तो सुजानपुर जैसे बड़े मैदान सिमट जाएंगे।

नया पाठ, पुरानी तासीर

उन्होंने हमें अच्छी तरह समझा दिया है कि हमारा भला अपना किसी किस्म का अधिकार मांगने में नहीं है। हम तो पीढियों से वंचित, पिछड़े हुए और भूखे नंगे लोग हैं। अकाल से लेकर भूचाल तक अपने सींकिया बदन पर सहते आए हैं। हमें इससे पहले कभी कुछ नहीं मिला, तो आज अपनी मेहनत के लिए मांगने, उसका पूरा मूल्य चाहने का यह शौक कैसे पाल लिया? अरे पालना ही था तो कोई इज्जतदार शौक पालते। तीतर बटेर लड़ाने का शौक पालते। वहां तक हाथ नहीं पहुंचता था, तो कनकौआ लड़ाने चले जाते। लेकिन तुम रहे, सदा फटी पतंगों के वारिस। आकाश में पतंगों के साथ उडने का सपना पालते हो? बेहतर हो इस डोर से बिछुड़ी पतंग को ही अपना मान अपने टूटे सपनों की आरती उतार लो। पतंगबाज तो वहां बैठे हैं ऊंची अट्टालिकाओं में। तुमने इनकी भ्रष्टाचार की पतंग नोटबंदी करके काटनी चाही, तो उन्होंने अपने काले नोटों को, देश की गरीबों की कतार में खड़े आखिरी आदमियों को बैंकों की नोट बदलने की कतार में खड़ा करके सफेद कर लिया। नोटबंदी का अभियान समाप्त हुआ तो पता चला कि बैंकों के पास जितने पुराने नोट पहले जमा थे, उससे अधिक नोट सफेद होकर बैंक खातों में जमा हो गए। सदियों से तुम जंगली लकड़ी बीन, उपले थाप अपना चूल्हा जलाते थे, उसके धुएं को फूंक-फूंक कर उससे अपनी आंखें गंवाते थे। उन्होंने तुम्हें चौका बासन क्रांति को उज्ज्वल करार देकर तुम में मुफ्त सिलेंडर बांट दिए। लेकिन बड़े लोगों के समूह ने पैट्रोल और गैस के उत्पादन में कटौती करके पैट्रोल और डीजल ही नहीं, गैस भी अनुपलब्ध करार दी। अब लाओ, भला कहां से लाओगे उनके रीफिल भरने के दाम? छोड़ो इस उज्ज्वलता के अंधेरे का दामन। लकड़ी और उपले जला कर अपना रोटी पकाने का गुर कहीं नहीं गया। अपनी जड़ों से टूटना हमेशा हानिकर होता है, बन्धु। कौआ मोर की चाल चला था, अपनी चाल भी भूल गया।
इसलिए अब यह गैस का सिलेंडर और उसकी सबसिडियों की खैरात छोड़ो। वैसे भी यह अब कीमत बढने से घट कर कुछ सिक्के रह गई है। आधुनिकता का दामन छोड़ो। अतीत की ओर लौटो, बाबा आदम के जमाने का चूल्हा तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा है। पुराने जमाने का चूल्हा, धौंकनी से उसकी आग फूंको। उसका धुआं निकल कर तुम्हारी अधमरी आंखों को धुएं की सौगात दे देगा। इस सौगात ने तुम्हारी आंखों को अंधराता और मोतियाबंद दे दिया, तो अच्छा ही है। ऐसी अवश आंखों से अपनी गरीबी हरने वाले मसीहा का चेहरा भी सुन्दर लगने लगता है। उसने दया करके लंगर का पैकेट ही नहीं दिया, अच्छे दिन आने की सौगात भी दे दी। आओ, इस मधुर कल्पना के नीचे रौशनी का दिया जलाएं। कल्पना साकार लगने लगेगी। इन धुंधली आंखों से देखो तो लगेगा शहर के पैट्रोल पम्पों के बाहर पैट्रोल और डीजल भरवाने के इच्छुक वाहन चालकों की कतार लम्बी हो गई। खबर फैल गई कि सरकारी कर कटौती के कारण पैट्रोल और डीजल के आकाश छूते दाम आधे रह गए। लोग अपने-अपने खटारा वाहनों की टंकी भरवाने के लिए लगी कतारों में धक्का-मुक्की कर रहे हैं। लेकिन यह धक्का-मुक्की तो सस्ते अनाज की बंदरबांट के लिए हो रही थी। तुम्हारी धुंधली होती आंखों ने फिर तुम्हें धोखा दे दिया। पैट्रोल पम्पों के पाइप तो उसी तरह औंधे पड़े हैं। कभी-कभी कोई वाहन चालक वहां चला आता, जैसे किसी बहेलिये के जाल में अकेला पंछी फंसा हो। धनी देश भला क्यों अपना उत्पादन बढ़ा अपने पर्स को ढीला करेंगे। सरकार क्यों टैक्स घटा अपने खजाने को दीमक लगाए? ठेकेदारों को काम का मंदा लगा है। दलाल वैकल्पिक रोजगार तलाश रहे हैं और बड़े बाबू को अपने फल और मिठाई की डलिया खाली नजर आती है। बालाई आमदन वाले

गहन विचार

बजट में व्यवस्था परिवर्तन की डगर

सरकार को लोकप्रियता पाने से दूर रहकर नए करों को लागू करना चाहिए, ताकि उसके खजाने में टैक्स से आवश्यक धनराशि आए। वहीं यह भी यकीनी बनाना होगा कि सभी व्यापारी ग्राहकों द्वारा खरीदी गईं वस्तुओं पर लागू वैट और जीएसटी को सही तरीके से सरकार के खाते में जमा करवाएं। सरकार द्वारा लागू की जाने वाली योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचे, इसके लिए प्रचार-प्रसार की जरूरत है

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत हो चुकी है और यह सत्र 14 से 29 फरवरी तक चलेगा, जबकि हिमाचल का वार्षिक बजट 17 फरवरी वाले दिन पेश किया जाएगा। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेश होने वाला यह बजट खास होने की संभावना है। इसमें सुक्खू सरकार राज्य की अर्थव्यवस्था में बेहतरी और आम जनता के दृष्टिकोण से सकारात्मक बदलावों की डगर तलाशती नजर आएगी। यह कहना अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं होगा कि हिमाचल प्रदेश ने अपने अस्तित्व में आने के बाद से पहाड़ सी चुनौतियों को पार कर विकास और कामयाबी की वह इबारतें लिखी हैं जो भारत के अन्य राज्यों के लिए भी मिसाल है। आज हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था भारतवर्ष के अन्य राज्यों के मुकाबले में सबसे तेजी से बढने वाली इकॉनोमी है और यह मुख्यतः ऊर्जा, पर्यटन, कृषि-बागवानी और केंद्रीय सहायता पर आश्रित अर्थव्यवस्था है। पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद वित्त वर्ष 1971-72 के लिए 80.18 करोड़ रुपए का पहला बजट पेश किया गया था। वित्त वर्ष 2023-24 में अब बजट बढक़र 56683.69 करोड़ हो गया है। ऐसे में आगामी वित्त वर्ष का वार्षिक बजट लगभग 60 हजार करोड़ तक हो सकता है। लेकिन इसके साथ ही सरकार की जिम्मेवारियां भी बढ़ती जा रही हैं। राज्य की कुल जीडीपी लगभग 195404 करोड़ रुपए है। राज्य की जीडीपी में प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्रों का योगदान क्रमशः 13.7 फीसदी, 43.36 प्रतिशत और 43.57 फीसदी है। करीब 75 हजार करोड़ के कर्ज के बोझ तले दबे हिमाचल प्रदेश का सिर्फ 29 फीसदी हिस्सा ही विकास के कामों में खर्च हो पाता है।

पिछले साल 2023-24 के बजट के मुताबिक प्रति 100 रुपए में से वेतन पर 26 रुपए, पेंशन पर 16 रुपए, ब्याज और ऋण की अदायगी पर 10-10 और स्वायत्त संस्थानों के लिए ग्रांट पर 9 रुपए खर्च हो रहे थे, जबकि पूंजीगत विकास के लिए सिर्फ 29 रुपए ही शेष रहते हैं। हिमाचल में 14 लाख के करीब बेरोजगार हैं। जाहिर है इतने बड़े वर्ग को रोजगार मुहैया करवाना हिमाचल सरकार के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई है। हिमाचल प्रदेश ने प्रति व्यक्ति आय में भी शानदार उपलब्धि हासिल की है। हिमाचल में कोरोना संकट के बावजूद प्रति व्यक्ति आय 2.22 लाख रुपए प्रति व्यक्ति है। इसी तरह हिमाचल ने पूर्ण विद्युतीकरण का लक्ष्य भी हासिल किया है। हिमाचल की पहचान फल राज्य के तौर पर तो है ही, इसे ऊर्जा राज्य के रूप में भी पहचाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में 27436 मेगावाट पनविद्युत उत्पादन की क्षमता है। इसमें से अभी 10781 मेगावाट पनविद्युत उत्पादन हो रहा है। सरकार को न केवल ऊर्जा क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने की दिशा में और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में ज्यादा काम करने की आवश्यकता है, बल्कि मार्च 2024 में पंजाब से शानन जलविद्युत परियोजना को भी अपने नियंत्रण में लेने हेतु कमर कसनी होगी। अपने दूसरे बजट को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का कहना है कि यह बजट प्रदेश को आत्मनिर्भर और समृद्धशाली बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगा। मुख्यमंत्री सुक्खू का यह भी कहना है कि प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन की भावना से काम करते हुए आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ-साथ तीव्र विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम की बहाली की गई है और इससे करीब 1.36 लाख कर्मचारियों को सम्मानजनक जीवन जीने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह हिमाचल प्रदेश को पर्यटन राज्य के तौर पर स्थापित करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। विशेष तौर पर जिला कांगड़ा को प्रदेश की पर्यटन राजधानी बनाने की दिशा में काम हो रहा है। बीबीएमबी को लेकर लगभग 4200 करोड़ की हिमाचल की राशि पड़ोसी राज्यों के पास पिछले कई वर्षों से अटकी पड़ी हुई है और पिछले पांच वर्षों में इस मसले पर कोई खास प्रगति नहीं हुई है। अतएव हिमाचल सरकार को इसके लिए पुनः सुप्रीम कोर्ट की ओर रुख करना होगा। प्रत्येक वर्ष के बजट में कई नई योजनाओं की घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन आज जरूरत इस बात की भी है कि इन योजनाओं को किस तरह से धरातल पर लागू किया गया है, इसकी मॉनिटरिंग की जाए और हर बड़ी योजना का जिम्मा किसी उच्चाधिकारी को नामांकित करके उसके समयबद्ध क्रियान्वयन की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता हो, इसके लिए खंड विकास अधिकारियों को फील्ड में जाकर कार्यों का निरीक्षण एवं मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। आज भी पंचायतों के माध्यम से होने वाले अनेक कार्यों व योजनाओं का लाभ सामान्य वर्ग के नागरिकों तक नहीं पहुंच रहा है। चाहे वर्षा जल संग्रहण टैंक के निर्माण की बात हो, हैंड पंप लगाना हो अथवा सोलर लाइट्स लगाने की, घरों का चयन नागरिकों की शक्लें और वोट के गुणा-भाग के दृष्टिकोण के हिसाब से ही होता है। कम से कम टैक्सपेयर्स को उनके योगदान के अनुरूप जीवनोपयोगी सुविधाएं उपलब्ध करवाई ही जानी चाहिएं। सबसे बढक़र आज हिमाचल प्रदेश के किसी भी कोने में चले जाईये, आपको हिमाचलियों में भूख, गरीबी और टूटे घरों के लक्षण दूर-दूर तक नहीं दिखाई देंगें। लिहाजा सरकार को लोकप्रियता पाने से दूर रहकर नए करों को लागू करना चाहिए, ताकि उसके खजाने में टैक्स से आवश्यक धनराशि आए, वहीं यह भी यकीनी बनाना होगा कि सभी व्यापारी ग्राहकों द्वारा खरीदी गईं वस्तुओं पर लागू वैट और जीएसटी को सही तरीके से सरकार के खाते में जमा करवाएं। सरकार द्वारा लागू की जाने वाली योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचे,

दिल्ली-एनसीआर में बिल्डरों ने खूब काटी चांदी

बीते साल बिक गए करीब 88 हजार करोड़ के अपार्टमेंट

परिवहन विशेष न्यूज

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रति अपार्टमेंट की औसत कीमत पिछले साल 2022 में 1.86 करोड़ रुपये से बढ़कर 2.29 करोड़ रुपये हो गई। वहीं अगर आकार और अपार्टमेंट की संख्या की बात करें तो लगभग साल 2022 के बराबर ही रहे हैं। लगभग 88000 करोड़ रुपये की कुल बिक्री में से गुरुग्राम में 55390 करोड़ रुपये के अपार्टमेंट बिके हैं।

नई दिल्ली। बिल्डरों के लिए साल 2023 बिक्री के लिहाज से जबरदस्त रहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल एनसीआर क्षेत्र में करीब 88 अरब रुपये के अपार्टमेंट बिके हैं। प्रॉपर्टी कंसल्टेंट फर्म जेएलएल इंडिया के अनुसार साल 2023 में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 87,818 करोड़ रुपये के अपार्टमेंट की बिक्री हुई जो कि 2022 के मुकाबले 23 फीसदी ज्यादा है। इसमें से अकेले गुरुग्राम में ही 63 फीसदी फ्लैट बिके हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रति अपार्टमेंट की औसत कीमत पिछले साल 2022 में 1.86 करोड़ रुपये से बढ़कर 2.29 करोड़ रुपये हो गई। वहीं अगर आकार और अपार्टमेंट की संख्या की बात करें तो लगभग साल 2022 के बराबर ही रहे हैं।

लगभग 88,000 करोड़ रुपये की कुल बिक्री में से, गुरुग्राम में 55,390 करोड़ रुपये के अपार्टमेंट बिके हैं, जबकि नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 24,944 करोड़ रुपये, गाजियाबाद में 4,404 करोड़ रुपये, दिल्ली में 2,610 करोड़ रुपये और फरीदाबाद में 470 करोड़ रुपये की बिक्री रही।

इस जबरदस्त बिक्री के पीछे क्या रहा कारण?

जेएलएल इंडिया के अनुसार मजबूत अर्थव्यवस्था, बेहतर नौकरी के अवसरों, बढ़ती आय और गुणवत्तापूर्ण प्रीमियम आवास आपूर्ति में वृद्धि की वजह से ही ये संभव हो पाया है। लोगों की आय बढ़ी है जिससे वो खुद के घर का सपना साकार कर पा रहे हैं।

2024 में बिक सकते हैं 40 हजार से ज्यादा अपार्टमेंट

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि साल 2024 में 40,000 से अधिक आवास इकाइयां बिक सकती हैं, जिनकी कीमत 95,000 करोड़ रुपये से 1,00,000 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। यह आंकड़ा नई परियोजनाओं और डीडीए एक्सप्रेसवे और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं को ध्यान में रखकर लगाया गया है।

ध्यान देने योग्य कुछ अन्य बातें

कुल बिक्री मूल्य में वृद्धि का एक कारण प्रति वर्ग फुट औसत मूल्य में 13 प्रतिशत की वृद्धि भी रही।

पिछले साल हाई-एंड लॉन्च में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई और इन परियोजनाओं से अच्छी बिक्री हुई।

2023 में बेचे गए अपार्टमेंटों में से 46 प्रतिशत से अधिक, जिनकी कीमत 3 करोड़ रुपये और उससे अधिक थी, वे नए लॉन्च से आए थे।

गुरुग्राम में 2023 में 18,792 यूनिट बिकीं।

2023 के अंत में, दिल्ली-एनसीआर में बिना बिके मकानों की इन्वेंट्री घटकर 66,777 यूनिट रह गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 फीसद कम है। यह 2009 के बाद का सबसे कम आंकड़ा है।

दिल्ली-एनसीआर का आवास बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है, विशेष रूप से गुरुग्राम में। हालांकि, यह भी देखना होगा कि ब्याज दरों में वृद्धि और आर्थिक अनिश्चितता का इस वृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है।

बोइंग डिफेंस इंडिया के एमडी बने निखिल जोशी, जानिए क्या है इस नियुक्ति के पीछे का उद्देश्य

आज बोइंग डिफेंस इंडिया (बीडीआई) के प्रबंध निदेशक के रूप में निखिल जोशी की नियुक्ति हुई है। इस नियुक्ति का उद्देश्य देश में कंपनी के संचालन को मजबूत करना और विकास रणनीति में तेजी लाना है। निखिल जोशी के पास विभिन्न समुद्री टोही विमानों पर 4000 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। उन्होंने फ्रंटलाइन जहाजों और हवाई स्क्वाड्रन दोनों की कमान संभाली है।

नई दिल्ली। यूएस एयरोस्पेस (US Aerospace) ने बोइंग डिफेंस इंडिया (बीडीआई) के प्रबंध निदेशक के रूप में निखिल जोशी की नियुक्ति की घोषणा की है। इस घोषणा को करते हुए कहा गया कि इसका उद्देश्य देश में कंपनी के संचालन को मजबूत करना और विकास रणनीति में तेजी लाना है। कंपनी ने कहा कि नई दिल्ली में स्थित जोशी भारत के रक्षा बलों के मिशन की तैयारी और आधुनिकीकरण को बढ़ाने के लिए बीडीआई के वर्तमान और भविष्य के कार्यक्रमों का नेतृत्व करेंगे। जोशी के पास एयरोस्पेस और रक्षा उद्योग का 25 वर्षों से अधिक का अनुभव है। इसमें भारतीय नौसेना की विमानन शाखा में भारतीय सशस्त्र बलों के साथ दो दशकों से अधिक की सेवा भी शामिल है। बोइंग में शामिल होने से पहले जोशी ने ईटन एयरोस्पेस (Eaton Aerospace) के लिए देश के प्रबंधक के रूप में कार्य किया। यहां वह भारत में ईटन के व्यापार पदचिह्न को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार थे।

निखिल जोशी को कितना है अनुभव

निखिल जोशी के पास विभिन्न समुद्री टोही विमानों पर 4,000 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है और उन्होंने फ्रंटलाइन जहाजों और हवाई स्क्वाड्रन दोनों की कमान संभाली है।

बोइंग के एशिया प्रशांत क्षेत्र के उपाध्यक्ष स्कॉट कारपेंडेल ने कहा हमें अपनी टीम में निखिल का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उनका समृद्ध अनुभव और मजबूत नेतृत्व भारत में हमारी विकास रणनीति को आगे बढ़ाएगा और देश में हमारे रक्षा ग्राहकों की सेवा जारी रखने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

हैल्थकेयर हीरोज अवॉर्ड एंड कॉन्क्लेव 2024 - विजेताओं के चयन के लिए ये है विशेष ज्यूरी का पैनल

Healthcare Heroes Awards Conclave 2024 में अलग-अलग कैटेगरी में विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। ये कैटेगरी हैं - मेंटल हेल्थ वॉरियर कम्युनिटी हीरो हेल्थ टेक स्टार्ट-अप इनोवेशन इन डिजीज डायग्नोसिस हेल्थ अवेयरनेस कैंपेन ऑफ दी ईयर आउट-ऑफ-द-बॉक्स फिटनेस पोषण वॉरियर वुमेन हेल्थ अवेयरनेस वॉरियर मेन हेल्थ अवेयरनेस वॉरियर जेंडर डायवर्सिटी वॉरियर स्पेशल अवॉर्ड हेल्थ इन्फ्लुएंसर ऑफ दी ईयर फिटनेस ऐप आदि।

नई दिल्ली। OMH Healthcare Heroes Awards & Conclave का चौथा संस्करण दिल्ली के ITC Maurya होटल में 22 फरवरी 2024 को आयोजित किया जाएगा, जहां मेडिकल और स्वास्थ्य से जुड़ी कई हस्तियां एवं विशेषज्ञ जुड़ेंगे। यह समारोह स्वास्थ्य के क्षेत्र में इनोवेशन करने वाले हेल्थकेयर वॉरियर के लिए है, जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से ऐसा काम किया है, जिसका फायदा मानवजाति को हो सकता है। इन्होंने टेक्नोलॉजी की मदद से उपचार में एक उम्मीद की किरण जगाई है। OMH इन्हें अवार्ड से सम्मानित करेगा। वैसे यह समारोह उन प्रभावशाली लोगों के लिए भी है, जिन्होंने अपने तरीके से लोगों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए जागरूकता फैलाई है।

इंफ्लेशन इन इंडिया : आरबीआई गवर्नर ने बताया क्यों काबू में नहीं आ रही महंगाई, वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर भी दिए सुझाव

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास वह आज 59वें सीसेन गवर्नर्स सम्मेलन में शामिल हुए थे। इस सम्मेलन में उन्होंने संबोधन दिया। संबोधन में उन्होंने कहा कि बार-बार खाद्य कीमतों में तेजी और भू-राजनीतिक मोर्चे पर नए फ्लैश प्वाइंट महंगाई को कम करने के लिए चुनौती बन गए हैं। इसके अलावा उन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर भी सुझाव दिया है।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास मे आज महंगाई दर के सामने खड़ी चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बार-बार खाद्य कीमतों में तेजी और भू-राजनीतिक मोर्चे पर नए फ्लैश प्वाइंट महंगाई को कम करने के लिए चुनौती बन गए हैं। हालांकि, महंगाई दर को लेकर वह कहते हैं कि हम इससे निपटने के लिए सतर्क है।

वह कहते हैं कि हम मानते हैं कि स्थिर और कम मुद्रास्फीति स्थायी आर्थिक विकास के लिए आवश्यक आधार प्रदान करेगी। दास ने जोर देकर कहा कि स्थिर और निम्न मुद्रास्फीति सतत आर्थिक विकास के लिए आवश्यक आधार है।

वह आज 59वें सीसेन गवर्नर्स सम्मेलन में शामिल हुए थे। इस सम्मेलन में उन्होंने संबोधन देते हुए कहा कि भारत कई चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपट चुका है और सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है।

इस सम्मेलन में शक्तिकांत दास ने कहा कि

विवेकपूर्ण मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों ने इन कठिन परिस्थितियों से निपटने में भारत की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है। रिजर्व बैंक का अनुमान है कि 2024-25 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था 7.0 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जो लगातार चौथे वर्ष 7 प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि को चिह्नित करेगा। मुद्रास्फीति 2022 की गर्मियों के उच्चतम स्तर से कम हो गई है।

क्या है देश की महंगाई दर

खुदरा मुद्रास्फीति, जिसे आरबीआई मुख्य रूप से अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति पर पहुंचते समय ध्यान में रखता है, जनवरी में 5.1 प्रतिशत के साथ 4 प्रतिशत के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही है।

खुदरा महंगाई दर पर प्रकाश डालते हुए वह कहते हैं कि बार-बार खाद्य कीमतों में तेजी और भू-राजनीतिक मोर्चे पर नए सिरे से उभरे फ्लैश प्वाइंट चल रही है। यह अवस्फीति प्रक्रिया के लिए चुनौतियां पैदा करती है।

दास ने 'वैश्विक अर्थव्यवस्था में मौलिक बदलावः नई जटिलताएं, चुनौतियां और नीति विकल्प' विषय पर भी बोला। उन्होंने कहा कि भारत के सामने खड़ी चुनौतियां समन्वित नीति प्रतिक्रिया भविष्य के लिए एक अच्छा टेम्पलेट हो सकती है। जबकि मौद्रिक नीति ने मुद्रास्फीति की उम्मीदों को नियंत्रित करने और मांग-प्रेरित दबाव को कम करने पर काम किया। उन्होंने कहा कि प्रभावी राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय भारत की सफलता के मूल में है।

गवर्नर ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था एक चौराहे पर खड़ी है और चुनौतियां प्रचुर मात्रा में बनी हुई हैं, लेकिन नए अवसर भी दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एक साथ, हम यहां से जो रास्ता अपनाएंगे वह आने वाले समय में हमारा भाग्य तय करेगा। हमें ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था की नई वास्तविकताओं के अनुरूप हों। अनिश्चित दुनिया में, केंद्रीय बैंकों को अपने उद्देश्यों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए सक्रिय होने की आवश्यकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सॉफ्ट लैंडिंग की संभावनाएं बेहतर हुई हैं, लेकिन क्षितिज पर अनिश्चितताओं के साथ कई चुनौतियां भी हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सुझाव दिया

अपने संबोधन में शक्तिकांत दास ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के भविष्य के लिए पांच संभावित नीति विकल्पों का सुझाव दिया क्योंकि आने वाले वर्षों में नई वास्तविकताएं आकार लेंगी।

राज्यपाल ने कहा कि इंडिया स्टैक और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) में हमारी निरंतर भागीदारी, विशेष रूप से महामारी के दौरान और उसके बाद, ने हमें विश्वास दिलाया है कि राष्ट्रीय सीमाओं से परे बढ़ने पर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा वैश्विक सार्वजनिक भलाई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। भारतीय यूपीआई और कुछ अन्य देशों की तेज भुगतान प्रणालियों का जुड़ाव यूपीआई को सीमा पार भुगतान के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मॉडल बनने की क्षमता प्रदान करता है।

दास ने कहा कि SEACEN पर कहा कि यह केंद्रीय बैंकों के लिए एक मंच के रूप में है। यह उन्नत प्रगति और समृद्धि के लिए कई सेक्टरों में साझा करने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में कार्य करता है। बता दें कि भारतीय रिज़र्व बैंक SEACEN (दक्षिण पूर्व एशियाई केंद्रीय बैंक) फोरम का वर्तमान अध्यक्ष है।

सस्ता हुआ सोना तो चढ़ गए चांदी के दाम, चेक करें आपके शहर में कितनी है कीमत

गुरुवार 3 अगस्त को सर्राफा बाजार में 15 फरवरी को सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में तेजी और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में गिरावट के बाद एचडीएफसी सिक्योरिटीज के मुताबिक गुरुवार को दिल्ली में सोना 80 रुपये फिसलकर 62270 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गईं। जानिए आपके शहर में क्या है सोने की कीमत।

नई दिल्ली। गुरुवार 15 फरवरी को सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में तेजी और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में गिरावट के बीच दिल्ली में गुरुवार को सोने की कीमत 80 रुपये फिसलकर 62,270 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गईं।

आपको बता दें कि पिछले कारोबार में गोल्ड 62,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। आज चांदी भी 600 रुपये बढ़कर 74,600 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,993 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस और चांदी 22.50 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर थे।

वायदा कारोबार में सोना

आज वायदा कारोबार में भी सोना 58 रुपये घटकर 61,385 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 58 रुपये या 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61,385 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 13,762 लॉट का कारोबार हुआ।

वायदा कारोबार में चांदी

वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 144 रुपये बढ़कर 70,296 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मार्च डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 144 रुपये या 0.21 प्रतिशत बढ़कर 28,277 लॉट में 70,296 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

आपके शहर में क्या है सोने का भाव

गुड रिटर्न वेबसाइट के मुताबिक सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें कुछ इस प्रकार हैं:

दिल्ली में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,220 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,070 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,070 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,620 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,070 रुपये है।

हैदराबाद में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,070 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,220 रुपये है।

जयपुर में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,220 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 62,120 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 62,220 रुपये है।

फैशन को पुनः परिभाषित करना: RIJAC के शाकाहारी चमड़े के बैग के साथ नैतिक लालित्य का उदय

जो लोग साधारण सुंदरता की सराहना करते हैं उनके लिए RIJAC का छोटे हैंडबैग का संग्रह एक आदर्श विकल्प है। ये हैंडबैग अतिसूक्ष्मवाद का सार प्रस्तुत करते हैं जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए एक स्टाइलिश लेकिन व्यावहारिक सहायक वस्तु प्रदान करते हैं। स्लिंग बैग से लेकर शोल्डर बैग तक प्रत्येक डिज़ाइन पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए आपकी जीवनशैली को पूरा करने के लिए सोच-समझकर तैयार किया गया है।

नई दिल्ली। फैशन की आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, हम अपनी एक्सेसरीज़ के बारे में जो विकल्प चुनते हैं, वह महज़ स्टाइल स्टेटमेंट से कहीं आगे जाते हैं। वे हमारे मूल्यों, पर्यावरण के प्रति हमारी चिंताओं और नैतिक प्रथाओं पर हमारे रुख को दर्शाते हैं।

वे दिन गए जब फैशन केवल अच्छा दिखने तक ही सीमित था; अब, यह अच्छा महसूस करने के बारे में भी है, यह जानकर कि हमारी खरीदारी हमारे सिद्धांतों के अनुरूप है।

पशु क्रूरता और पर्यावरणीय स्थिरता के बारे में जागरूकता बढ़ने के साथ, फैशन उद्योग नैतिक विकल्पों की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव देख रहा है। ऐसा ही एक क्रांतिकारी ब्रांड, जो इस क्षेत्र में अग्रणी है, RIJAC है, जो शाकाहारी चमड़े के बैगों की एक शानदार रेंज पेश करता है, जो शैली के साथ विवेक का मेल कराता है।

आरआईजेएसी के शाकाहारी चमड़े के बैग बनाने की दिशा में यात्रा एक गहन अहसास के साथ शुरू हुईः पारंपरिक चमड़े के उत्पादन में जानवरों और ग्रह को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। आँकड़े चौंका देने वाले हैं - हर साल, चमड़े के सामान के लिए दुनिया भर में 220 करोड़ से अधिक जानवरों की बलि दी जाती है, जिसमें भारत चमड़े के उत्पादों का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। चमड़ा प्राप्त करने की प्रक्रिया में व्यापक वनों की कटाई, पानी की कमी शामिल है, और ग्लोबल वार्मिंग में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

परिवर्तन की तत्काल आवश्यकता को पहचानते हुए, RIJAC ने पारंपरिक चमड़े के लिए एक टिकाऊ और क्रूरता मुक्त विकल्प पेश करने के मिशन पर काम शुरू किया। शाकाहारी चमड़ा दर्ज करें - पॉलीयुरेथेन से तैयार किया गया, यह सामग्री पारंपरिक चमड़े के समान ही शानदार लुक और अनुभव प्रदान करती है, लेकिन पशु क्रूरता और पर्यावरणीय गिरावट के दिल दहला देने वाले आंकड़ों के बिना।

नैतिक फैशन के प्रति RIJAC की प्रतिबद्धता केवल उपयोग की जाने वाली सामग्रियों से परे फैली हुई है; यह ब्रांड के लोकाचार के हर पहलू में व्याप्त है। डिजाइन प्रक्रिया से लेकर विनिर्माण और वितरण तक, आरआईजेएसी स्थिरता को प्राथमिकता देता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक हैंडबैग न केवल स्टाइलिश है बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से भी जिम्मेदार है।

ब्रांड के बड़े आकार के हैंडबैग इस प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं, जो नैतिकता से समझौता किए बिना पर्याप्त जगह और परिष्कार प्रदान करते हैं। चाहे आप कॉर्पोरेट जगत में भ्रमण करने वाले पेशेवर हों या किसी ग्लैमरस इवेंट में अपना वक्तव्य देने वाले फैशन प्रेमी हों, RIJAC के बड़े आकार के हैंडबैग सुंदरता और कार्यक्षमता का प्रतीक हैं।

लेकिन नैतिक फैशन के प्रति RIJAC का समर्पण यहीं नहीं रुकता।

ब्रांड के ऑनलाइन बिक्री कार्यक्रम लक्जरी फैशन को व्यापक दर्शकों के लिए सुलभ बनाते हैं, जिससे यह साबित होता है कि स्टाइल और सामर्थ्य साथ-साथ चल सकते हैं। प्रतिष्ठित डिज़ाइनों पर विशेष छूट की पेशकश करके, RIJAC यह सुनिश्चित करता है कि प्रीमियम फैशन हर किसी की पहुंच में हो।

जो लोग साधारण सुंदरता की सराहना करते हैं, उनके लिए RIJAC का छोटे हैंडबैग का संग्रह एक आदर्श विकल्प है। ये हैंडबैग अतिसूक्ष्मवाद का सार प्रस्तुत करते हैं, जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए एक स्टाइलिश लेकिन व्यावहारिक सहायक वस्तु प्रदान करते हैं। स्लिंग बैग से लेकर शोल्डर बैग तक, प्रत्येक डिज़ाइन पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए आपकी जीवनशैली को पूरा करने के लिए सोच-समझकर तैयार किया गया है।

और एक महिला के जीवन के सबसे खास दिन के लिए, RIJAC दुल्हन के हैंडबैग प्रदान करता है जो सिर्फ सहायक उपकरण से कहीं अधिक हैं - वे प्यार, लालित्य और सुंदरता का प्रतीक हैं। जटिल डिज़ाइन और बारीकियों पर ध्यान देने के साथ, RIJAC के ब्राइडल हैंडबैग किसी भी दुल्हन के पहनावे में ग्लैमर का स्पर्श जोड़ते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हर दुल्हन अपनी शादी के दिन एक रानी की तरह महसूस करती है।

अंत में, कोई भी अलमारी क्लासिक ब्लैक हैंडबैग के बिना पूरी नहीं होती है, और RIJAC का संग्रह कालातीत बहुमुखी प्रतिभा और शैली प्रदान करता है। चाहे आप किसी औपचारिक कार्यक्रम के लिए तैयार हो रहे हों या बाहर किसी दिन इसे कैजुअल रख रहे हों, RIJAC का एक काला हैंडबैग आपके लुक को बेहतर बनाने के लिए एकदम सही सहायक वस्तु है।

ऐसी दुनिया में जहां फैशन विकल्पों के दूरगामी परिणाम होते हैं, आरआईजेएसी हर जगह नैतिक उपभोक्ताओं के लिए आशा की किरण के रूप में खड़ा है। स्थिरता, क्रूरता-मुक्त प्रथाओं और कालातीत शैली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, RIJAC के शाकाहारी चमड़े के बैग सिर्फ सहायक उपकरण नहीं हैं - वे विवेक, लालित्य और सशक्तिकरण के बयान हैं।

जयदीप प्रजापति ने इस ब्रांड की शुरुआत करने का एक विचार के साथ की थी, जिसमें भविष्य को बचाने और हर दिन कई पशुओं की हत्या हो रही है। उन्होंने केले और टमाटर के कच्चे सामग्रियों का उपयोग करके वीगन लेदर बनाने के लिए एक विशेष विचार लाया। जैसा कि उनका कहना है, वीगन लेदर बस इतना ही सुंदर दिखता है, यह उत्कृष्टता का एक शानदार स्पर्श है और इसे हर दिन का उपयोग करने का पूर्ण तरीका है। हैंडबैग संग्रह में विभिन्न शैलियों और रंगों में उपलब्ध है, जो आपके हैंडबैग संग्रह को और बढ़ाने के लिए हैं।

महाभारत के 'कृष्ण' ने लगाई पुलिस से गुहार ,मुझे मेरी IAS बेबी से बचाओ, मेंटल ट्रॉचर का आरोप

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। 80-90 के दशक में रामानंद सागर के सीरियल 'महाभारत' में कृष्ण का अभिनय करने वाले 'नितीश भारद्वाज ने अपनी आईएएस पत्नी स्मिता भारद्वाज के ऊपर मैंटली ट्रॉचर करने का आरोप लगाया है। कृष्ण उर्फ नितीश भारद्वाज ने इस बावत भोपाल पुलिस कमिश्नर से गुहार लगाई है। भोपाल पुलिस कमिश्नर ने मामले की गम्भीरता के मद्देनजर एडिशनल डीसीपी शालिनी दीक्षित को जांच सौंप दी है।

उल्लेखनीय है कि नितीश भारद्वाज की आईएएस पत्नि स्मिता भारद्वाज राज्य मानव आयोग अधिकार में पदस्थ है। मामले के मुताबिक नितीश की दूसरी शादी 14, मार्च, 2009 को मध्यप्रदेश की आईएएस कैडर स्मिता भारद्वाज से हुई थी। दोनों की दो जुड़वा बेटियां है ।एक बेटी का नाम दिव्यानी है और दूसरी का नाम शिवरंजनी है। मिली रिपोर्ट के मुताबिक बताया जाता है कि नीतिश भारद्वाज पिछले काफी समय से अपनी पत्नि के बिहेवियर से खासे परेशान चल रहे हैं ।इस वजह से उनकी मैरेज लाइफ अच्छी नहीं है। बल्कि टूटने के कगार पर आ गई है। इसी कलेश को लेकर नितीश भारद्वाज और उनकी पत्नी स्मिता भारद्वाज का केस मुम्बई की कोर्ट में चल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक एक्टर अपनी पत्नी के रवैये से मानसिक और शारीरिक रूप से काफी परेशान हो चुके है। पत्नि स्मिता ने अपनी दोनों बेटियों से मिलने पर भी पाबंदी लगा दी है। नितीश अपनी बेटियों से न मिल सके इसके लिए उनकी दोनों बेटियों का स्कूल भी कई बार बदलवाया जा चुका है।

कृष्ण अभिनेता नितीश भारद्वाज बेटियों से मिल पाने और पत्नि स्मिता भारद्वाज के क्रूर अमानवीय रवैये से परेशान होकर नितीश भारद्वाज ने पुलिस कमिश्नर भोपाल से गुहार लगाई है। कमिश्नर ने केस की गम्भीरता के मद्देनजर एडिशनल डीसीपी शालिनी दीक्षित को जांच का जिम्मा सौंप दिया है।

इंदौर में 3 मार्च से नए ई-रिक्शा रजिस्ट्रेशन पर रोक

परिवहन विशेष न्यूज, इंदौर। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर ने ई-रिक्शा के नए रजिस्ट्रेशन पर रोक लगा दी है। विभाग ने इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं। यह निर्णय जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा लिए गये निर्णय के बाद लिया गया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा के अनुसार ई-रिक्शा चालकों द्वारा निर्धारित रूटों पर वाहन नहीं चलाने, अव्यवस्थित तरीके से वाहन चलाने, क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने से शहर की यातायात प्रबंधन व्यवस्था में गड़बड़ा हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि 2 फरवरी को हुई जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार एक माह 3 मार्च के बाद इंदौर में नए ई-रिक्शा के रजिस्ट्रेशन पर रोक लगा दी जाएगी। आरटीओ द्वारा बीते 9 फरवरी को यात्री ई-रिक्शा डीलरों की एक बैठक आयोजित की गई थी और उन्हें बताया गया कि वे ई-रिक्शा के शेष स्टॉक सहित अन्य जानकारी उपलब्ध कराएं। डीलरों को कहा गया कि आरटीओ कार्यालय को चेसिस नंबर सहित जानकारी दी जाए।

इंदौर नगर निगम ने शहर में ई-रिक्शा के खतरे को नियंत्रित करने के लिए एक नीति लाने का फैसला किया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि वे ई-रिक्शा के लिए नीति और प्रोटोकॉल तैयार करने पर काम कर रहे हैं, क्योंकि वे यातायात के मामले में शहर में खतरा पैदा कर रहे हैं। आईएमसी ने पहले ही ई-रिक्शा के लिए अलग-अलग रूट तय कर लिए हैं। इंदौर शहर में ट्रैफिक फ्लो को सुचारू बनाने के लिए ई-रिक्शा के नए रजिस्ट्रेशन पर परिवहन कार्यालय इंदौर ने रोक लगा दी है और उनके लिए नए रूट बनाने का फैसले किया है। इसका ई-रिक्शा चालक संघ ने विरोध किया और करते 21 फरवरी से हड़ताल पर जाने का फैसला किया है।

बिजेड़ी-बीजेपी केलिये गठबंधन पूल अश्विनी वैष्णव

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा, भुबनेश्वर : बीजेपी नेता अश्विनी वैष्णव को राज्यसभा भेजने के लिए राज्य में सत्ताधारी बीजद ने जानकारी दी है कि बीजद के सभी भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचार के कामों में बीजेपी का सौ फीसदी समर्थन है । भाजपा और बिजेड़ी दोनों राज्य की साढ़े चार करोड़ जनता को लूट रहे हैं ।2009 के बाद से लोगों को लगा कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भाजपा का साथ छोड़ दिया है, यह वास्तव में सच नहीं है ।मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीजेपी के केंद्रीय नेताओं से करीबी रिश्ते हैं ।

चूंकि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करीबी रिश्ते हैं, इसलिए दोनों पार्टियां हर कूड़ा-कचरे का काम मिलकर निपटा रही हैं ।बीजेपी नेता को राज्यसभा भेजने के पीछे बिजेड़ी का क्या हित है? बिजेड़ी ने बीजेपी नेताओं को राज्यसभा भेजकर ईडी और सीबीआई से छुट्टी लेने का रास्ता तैयार कर लिया । बिजेड़ी की आत्मरक्षा की राजनीति का अध्ययन करने के बाद राज्य के 3.5 करोड़ 26 लाख मतदाताओं ने भाजपा के बिजेड़ी विरोधी प्रचार पर विश्वास नहीं किया। सच तो यह है कि कोई भी राजनीतिक दल राज्य के साढ़े तीन करोड़ 26 लाख मतदाताओं के हितों के प्रति प्रतिबद्ध नहीं है । भगवान श्रीजगन्नाथ इस राज्य के साढ़े चार करोड़ लोगों की एकमात्र आशा हैं।

सीरवी एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन शिक्षा के क्षेत्र में जागृति

जयपुर। समाज के वरिष्ठ शिक्षाविदो द्वारा संचालित सीरवी एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन जयपुर समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एव आर्थिक रूप से पिछड़े बालक और बालिकाओं के उत्थान के लिए अग्रणी भूमिका निभा रही है। संस्था जयपुर में छात्रों एव छात्राओं के लिए पृथक पृथक हॉस्टल अस्थाई रूप से संचालित कर रही है जिसमे समाज के भामाशाओ, संस्थाओं और वडेरो द्वारा भी समय समय पर सहयोद प्रदान किया जाता रहा है।

संस्था के कार्यों से प्रभावित होकर जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब विमान नगर पूना की समस्त कार्यकारिणी के समस्त सदस्यो ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए संस्था में अध्ययनरत एक आर्थिक रूप से कमजोर

बालिका की कोचिंग फीस की राशि 50,000/ रुपए का सहयोग किया। जय भवानी स्पोर्ट्स कल्ब विमान नगर पूना और उनकी समस्त टीम समय समय पर समाज में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाती है स्पोर्ट्स क्लब के सदस्यो ने समाज की समस्त वडेरो और संस्थाओं से भी अपील की कि समाज शिक्षित होगा तो निश्चित रूप से समाज आगे बढ़ेगा समस्त जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब विमान नगर पूना के सदस्यों का सीरवी एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन परिवार की तरफ से हार्दिक आभार धन्यवाद

यदि समाज में इसी प्रकार से शिक्षा के क्षेत्र में छोटा-छोटा योगदान अन्य संस्थाएं, वडेर, युवा मंच सहयोग करेंगे तो जरूर समाज में शिक्षा का विकास होगा।

माननीय प्रधानमंत्री कल जिले की विधानसभाओ के लाभार्थियों से होंगे रूबरू, ज़िला कलेक्टर ने किया कार्यक्रम स्थल का मुआयना

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत 16 फ़रवरी को वर्चुअल रूप से शाहपुरा जिले के लोगों से सीधा संवाद करने के लिए रूबरू होंगे। यह संवाद कार्यक्रम प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित होगा। ज़िले में कार्यक्रम की तैयारियो को लेकर जिला कलक्टर टीकम चन्द बोहरा ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ गुरुवार को प्रताप सिंह बारहाठ स्नातकत्तोर महाविद्यालय के ग्राउंड पर पहुँच कर कार्यक्रम के लिये व्यस्थाओ को ठीक से सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम स्थल का मुआयना किया। ज़िला कलेक्टर बोहरा ने कार्यक्रम स्थल पर कार्यकम के लिए टेन्ट, कुर्सियां, विशिष्ट व्यक्तियों के बैठने के लिए स्टेज, कार्यकम के प्रसार के लिए एलईडी स्क्रीन आदि आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के संबंध में संबंधित अधिकारियो को अपने दायित्वों की पालना उचित ढंग से करने के लिए निर्देशित किया।

आबू धाबी बैप्स मन्दिर के उद्घाटन में शामिल अक्षय कुमार, वहीं फिल्म की शूटिंग

परिवहन विशेष

नई दिल्ली। 14 फरवरी को अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धूमधाम से किया। बोचासनबासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संयुक्त अरब अमीरात में पहला हिंदू मंदिर है। यह मंदिर भगवान स्वामीनारायण को समर्पित है।

मंदिर में दर्शन करने पहुंचे अक्षय कुमार

मिडिया रिपोर्ट के मुताबिक अक्षय कुमार बोचासन निवासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण मंदिर भी पहुंचे। सोशल मिडिया पर पोस्ट वीडियो में आप देख सकते हैं कि अक्षय सिक्योरिटी गाड्र्स से घिरे हुए हैं और मीडिया उनके पीछे पड़ी है। इस मौके पर अभिनेता हाथीदांत रंग का कुर्ता पायजामा पहने नजर आए।

अबू धाबी में बड़े मियां छोटा मियां की शूटिंग

अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म बड़े मियां छोटा मियां को लेकर सुर्खियों में हैं। इन दिनों एक्टर अबू धाबी में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। जहां से वह अपने को-स्टार टाइगर श्रॉफ के साथ सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो शेयर करते हैं।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा भाजपा सरकार में महिलाओं को मिला सम्मान, मिली मजबूती

परिवहन विशेष न्यूज

लोनी। भाजपा द्वारा लोनी के सीसीएस कॉलेज सोसाइटी लोनी में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोनी विधायक नन्दकिशोर गुर्जर, जिलाध्यक्ष सतपाल प्रधान समेत भाजपा पदाधिकारीगण, कई एनजीओ, स्वयं सहायता समूह से जूडी महिलाएं, पर्यावरणविद, स्वास्थ्य, शिक्षा पर काम करने वाली महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि भारत की महिला पूरे देश को दिशा दे रही है। देश में प्रथम व्यक्ति के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समस्त महिला शक्ति का गौरव बढ़ा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की नारी शक्ति दुनिया में परचम लहरा रही है। भाजपा सरकार में देश की महिला आर्थिक सामाजिक रूप से सशक्त हुई है। वहीँ सतपाल प्रधान ने कहा मातृ शक्ति का आशीर्वाद हमेशा से भाजपा को मिलता रहा है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी हमारी माताएं और बहनें फिर से मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने के संकल्प को साकार करेंगी। इस दौरान विधायक नंदकिशोर गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष सतपाल प्रधान ने एनजीओ व स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

हरिहर सिंह चौहान और संजय वर्मा 'दृष्टि' बने प्रथम विजेता

परिवहन विशेष न्यूज

इंदौर (मप्र)। मातृभाषा हिन्दी की प्रसिद्धि के लिए रचना शिल्पियों को स्पर्धा से सतत प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में इस बार 76 वीं स्पर्धा भी हुई, जिसमें 'विश्वासः मानवता, धर्म और राजनीति' विषय पर गद्य में प्रथम विजेता हरिहर सिंह चौहान (मप्र) और पद्य में संजय वर्मा 'दृष्टि' (मप्र) बने हैं।

यह जानकारी मंच-परिवार अर्चनाकी सह-सम्पादक श्रीमती जैन व संस्थापक-सम्पादक अजय जैन 'विकल्प' ने दी। श्रीमती जैन के अनुसार सभी प्रविष्टियों में से श्रेष्ठता अनुरुप निर्णायक मंडल ने गद्य में श्री चौहान 'भारत की नैतिकता का प्रतीक मानवता' को पहले क्रम पर चयनित किया है, तो दूसरा स्थान गोवर्द्धन दास बिन्नाणी 'राजा बाबू' (राजस्थान) के आलेख 'संवेदना आज की आवश्यकता' को प्राप्त हुआ है।

मंच की प्रचार प्रमुख श्रीमती ममता तिवारी 'ममता' (छग) ने बताया कि, इसी प्रकार स्पर्धा में पद्य वर्ग में 'संवेदना का सेतु ढहते देखा' रचना के लिए श्री वर्मा को प्रथम विजेता चुना गया है। द्वितीय स्थान पर हिमाचल प्रदेश वासी हेमराज ठाकुर मंडी की रचना 'विद्रूप से हुए आज सब' एवं अंजना सिन्हा 'सखी' (छग) की प्रस्तुति 'सबकी सेवा कर जाना' को तृतीय विजेता के लिए चयनित किया गया है।

श्रीमती जैन ने बताया कि, 1 राष्ट्रीय कीर्तिमान, 1.53 करोड़ दर्शकों-पाठकों का अपार स्नेह एवं 9 सम्मान प्राप्त इस मंच की संयोजक प्रो. डॉ. सोनाली सिंह, मार्गदर्शक डॉ. एम.एल. गुप्ता 'आदित्य' (महाराष्ट्र) व विशिष्ट सहयोगी एच.एस. चाहिल (छग) ने सभी विजेताओं व सहभागियों को हार्दिक बधाई दी है।

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मोबाईल ब्लड वैन भेंट की

परिवहन विशेष। एम्स, ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम में आईसीआईसीआई फाउंडेशन की ओर से संस्थान के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग ब्लड बैंक को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मोबाईल ब्लड वैन भेंट की वैन में ब्लड स्टोरेज सिस्टम उपलब्ध है, इस वैन में एक समय में तीन लोग ब्लड डोनेट कर सकते हैं। ले. कर्नल अमित परासर ने कहा कि संस्थान मरीजों को हरसंभव चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है। इस दिशा में संस्थागत स्तर पर सततरूप से कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर एनाटॉमी विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह, ट्रांसफ्यूजन मेडसिन विभाग की डॉ. दलजीत कौर, डॉ. आशीष जैन, आईसीआईसीआई बैंक के जोनल हेड संजीव शर्मा, ब्रांच मैनेजर रमन सचदेवा, रिजनल हेड अनादि द्विवेदी, रिजनल मैनेजर मेघा गुप्ता, फाउंडेशन के प्रोजेक्ट हेड सुधीर जैन, अमित डंगवाल आदि मौजूद थे।

प्रस्तावित शाहपुरा बाइपास के कास्तकारौ वितरित किया मुआवज़ा

शाहपुरा। निर्माधीन बाइपास के भूमि अवाप्ति से प्रभावित कास्तकारौ को भूमि अवाप्ति अधिकारी मुकेश कुमार मीना ने 130 कास्तकारौ को अवार्ड पारित कर मुआवजा वितरित करने की शुरुवात की गई ।इसी क्रम में ग्राम सेवनी के कास्तकार शंकर गुर्जर को कार्यालय में आमंत्रित कर उन्हें मीना द्वारा प्रथन चेक प्रदान किया गया।

सिंघानिया लॉ कॉलेज द्वारा ग्राम पंचायत बोरज राजसमन्द में विधिक सहायता शिविर का आयोजन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

उदयपुर। सिंघानिया लॉ कॉलेज के तत्वावधान में वैष्णव गणेश दास लक्षमण दास विद्या भवन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोरज राजसमंद में विधिक सहायता व चेतना शिविर का आयोजन किया गया। कॉलेज केप्रबंध निदेशक डॉ अशोक आचार्य ने बताया कि शिविर का आयोजन वैष्णव गणेश दास लक्षमण दास विद्या भवन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोरज राजसमंद में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य श्री गोपाल जी गर्ग एवं विशिष्ट अथिति महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ भूपेंद्र कुमावत थे। महाविधालय के प्राचार्य ने विधिक सहायता शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए व्यक्त किया कि विधिक सहायता शिविर का आयोजन विधि महाविधालय द्वारा इसलिए किया जाता है ताकि समाज के कमजोर वर्ग के लोगो को

न्याय मिल सके तथा विधि विद्यार्थियों में विधि के प्रति सजगता बढ़े। सिंघानिया विधि महाविद्यालय ने रकमपूरा गाँव को भी निःशुल्क विधिक सहायता के लिए गोद ले रखा है। इस क्रम में प्रति वर्ष अलग-अलग स्थानों पर विधिक सहायता शिवरों का आयोजन कर जन सामान्य में विधि के प्रति जागरूकता का कार्य कॉलेज के द्वारा किया जाता है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में कॉलेज की छात्रा खुश्बू खण्डेलवाल के साथ ही महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं जिसमें सोनिया ने परीक्षा दबाव को रोकने, पीयूष ने ग्लोबल वार्निंग, शुभम ने बाल विवाह, ईशरत ने सायबर अपराध, चित्रा ने कन्या भ्रूण हत्या, श्रवण ने शिक्षा का महत्व, नरवर सिंह ने फ़ोन एडिक्शन आदि विषयों के साथ ही कार्यक्रम की इस कड़ी में कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान दिया गया। जिसमें रुपढ़ाई के प्रति माता-पिता के व्यवहार' तथा सड़क सुरक्षा पर यातायात नियमो की पालना करने पर नाट्य प्रस्तुत कर सड़क सुरक्षा के नियमो की शपथ ली। जिसमे उपस्थित विद्यार्थियों ओर ग्रामीणों को जानकारी साझा की तथा कार्यक्रम में ही महाविद्यालय के विधि प्राध्यापको ने ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की तथा समस्यों का विधिक हल प्रदान किया।

मंच का संचालन खुशी और चिराग कुकड़ा ने किया। कार्यक्रम के अंत में इस विधिक शिविर के मुख्य प्रभारी विधि व्याख्या डॉ मनीष श्रीमाली ने विद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य ओर ओर समस्त स्टाफ को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया साथ ही धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कॉलेज के समस्त शेक्षणिक ओर गैर शेक्षणिक स्टॉफ उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023